www.hindmatamirror.com • वर्ष: 13 • अंक: 39 • ठाणे, सोमवार 5 अक्टूबर, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

दैनिक ठाणे

हिंदमाता मिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर



पेज 8

Deepfake और Morphed फोटो पर भड़की यामी गौतम

@HINDMATAOFFICIAL



वर्ल्ड कप से पहले बॉलिंग, फील्डिंग पर करना होगा सुधार : शुभमन गिल

8 पेज

सुप्रभात

बुरे आदमी के साथ भी भलाई ही करनी चाहिए; एक टुकड़ा रोटी डालकर कुत्ते का मुंह बंद कर देना ही अच्छा है। - सादी

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (5 अक्टूबर) 6:25 बजे, सूर्योदय (6 अक्टूबर) 6:30 बजे, तापमानः 33 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)

शॉर्ट स्टोरी

हिंगोली में 2.5 तीव्रता का भूकंप झटका

हिंदमाता नेटवर्क @ हिंगोली

महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में रविवार दोपहर 2.5 तीव्रता का भूकंप का झटका आया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। पिछले 24 घंटे में जिले में यह भूकंप का तीसरा झटका है। उप-विभागीय अधिकारी विकास माने ने बताया कि रविवार आपराह्न एक बजकर 31 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र औंधा नागनाथ तहसील के सिद्धेश्वर और दुधाला गांवों के बीच था। औंधा नागनाथ तहसील के गढ़ला गांव में सुबह करीब 7:46 बजे 3.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिसके साथ गड़गड़ाहट की आवाज भी सुनाई दी। इसके करीब दो घंटे बाद 4.5 तीव्रता का अधिक तेज झटका आया, जिसे जिले के कई हिस्सों में महसूस किया गया। जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

एमपीएससी आंदोलन में उतरे अभिजीत दीपके

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के युवा नेता रोहित पवार की अगुवाई में चल रहे सत्याग्रह में छात्र नेता अभिजीत दीपके पुणे पहुंचे। प्रदर्शनकारी छात्रों के जनसैलाब को संबोधित करते हुए अभिजीत दीपके ने तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि जिस तरह आईपीएल में खिलाड़ियों की खुलेआम बोली लगती है और उन्हें खरीदा जाता है, ठीक उसी प्रकार एमपीएससी की परीक्षाओं में भी अब बड़े पैमाने पर खरीद-फरोख्त का खेल चल रहा है। ऐसे में सरकार को परीक्षा कराने की नौटंकी बंद कर देनी चाहिए।

तीन उम्मीदवारों के नाम घोषित किए भाजपा ने

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भाजपा ने रविवार को आगामी महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए तीन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। पार्टी ने मीडिया समूह पुढारी के अध्यक्ष और संपादक योगेश जाधव की पत्नी डॉ. स्मिता जाधव को पुणे संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। भाजपा मुख्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि सुधाकर विट्ठलराव कोहले को नागपुर संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से और कौस्तुभ मुरलीधर गावडे को पुणे संभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व विधायक कोहले को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी नेताओं में माना जाता है। वह श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था के सीईओ भी हैं।

80 निवासियों को सुरक्षित निकाला गया

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

ठाणे शहर में रविवार को चार मंजिला आवासीय इमारत की छत का एक हिस्सा गिर गया, जिसके बाद इमारत में रह रहे 80 लोगों को तत्काल सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि किशन नगर के संगम सदन में हुए इस हादसे में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। गिरते मलबे से परिसर में खड़े चार दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया, घटना अपराह्न करीब दो बजकर 20 मिनट पर हुई। 35 साल पुरानी इमारत की छत का एक हिस्सा गिर गया और बचा हुआ हिस्सा भी जर्जर स्थिति में था।

मुंबई में विराट गर्जना मोर्चा, देश भर में चर्चा

● उद्धव ठाकरे बोले- ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार...इंडिया अगेंस्ट वोट चोरी अब नया नारा

● गरजे राज ठाकरे- महाराष्ट्र में पूरी तरह से रद्द हो एसआईआर, बैलेट पेपर से हो चुनाव



हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में विपक्ष ने विरोध मार्च निकाला। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने इस मार्च का नेतृत्व किया। उद्धव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बीजेपी का 'हथियार' बताया, जबकि राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में एसआईआर रद्द करने और भविष्य के चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग की। 'विराट गर्जना मोर्चा' नाम से निकाला गया यह मार्च दक्षिण मुंबई के मेट्रो सिनेमा से शुरू हुआ और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) मुख्यालय तक पहुंचा। प्रदर्शनकारी एसआईआर में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने या उनके इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस मार्च में किसी भी राजनीतिक दल के झंडे की अनुमति नहीं थी। इसमें शामिल नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों से केवल तिरंगा लेकर आने को कहा गया था।

अब 'इंडिया अगेंस्ट वोट चोरी' नया नारा

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने विराट गर्जना मोर्चा में बीजेपी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोला। उद्धव ठाकरे ने कहा कि जिस तरह कभी 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' का नारा पूरे देश में पहुंचा था, उसी तरह अब 'इंडिया अगेंस्ट वोट चोरी' नया नारा है। उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर कहा कि ज्ञानेश कुमार इनका हथियार हैं।

'मेक इन इंडिया' के नाम पर पैदा हुई तानाशाही को खत्म कर देंगे

ठाकरे ने पीएम मोदी की मेक इन इंडिया पहल का जिक्र करते हुए कहा कि जब वे पहली बार प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने मेक इन इंडिया की घोषणा की। हमने उस विजन का समर्थन किया। लेकिन अगर आप मेक इन इंडिया के नाम पर तानाशाही पैदा कर रहे हैं, तो हम आज यहां उस तानाशाही को दफनाने के लिए खड़े हैं। मेक इन इंडिया के तहत बाकी सब ठीक है, लेकिन अगर आप तानाशाह बनने की कोशिश करते हैं, तो समझ लीजिए कि आपकी तानाशाही दफन हो गई है।

13 करोड़ मतदाताओं के नाम गायब

उद्धव ठाकरे ने चुनावी मतदाता सूची में भारी धांधली का मुद्दा उठाया। उन्होंने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे और कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात के भाषणों का हवाला देते हुए आंकड़े पेश किए। ठाकरे ने बताया कि अकेले महाराष्ट्र में ही लगभग 2 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। पूरे देश का आंकड़ा साझा करते हुए उन्होंने कहा कि देश भर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब कर दिए गए हैं, जो कि पूरे महाराष्ट्र राज्य की कुल जनसंख्या के बराबर है। इसके अलावा तमिलनाडु में 70 लाख और पश्चिम बंगाल में 30 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए हैं।

एसआईआर में कितने बांग्लादेशी मिले?

उद्धव ठाकरे ने एसआईआर को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची से बांग्लादेशियों के नाम हटाने के लिए यह प्रक्रिया शुरू की गई है तो सरकार बताए कि देश में अवैध रूप से रह रहे कितने बांग्लादेशियों की पहचान हुई। उद्धव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं। वहीं राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में मतदाता सूची के एसआईआर को रद्द करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में देश में चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बजाय बैलेट पेपर से कराए जाने चाहिए।

पार्टी से लेकर मतदाता तक चुराने का आरोप

उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने राम मंदिर की तिजोरी भी चुरा ली। पार्टी चुराने वाले षंढ हैं आप। करोड़ों मतदाताओं को चुरा लिया।

महाराष्ट्र में एसआईआर पूरी तरह से रद्द हो: राज ठाकरे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में चल रही एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर बड़ा सवाल उठाया है। मुंबई में रविवार को गर्जना मार्च के मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने मांग की है कि महाराष्ट्र में कराई जा रही पूरी एसआईआर प्रक्रिया को रद्द किया जाए। राज ठाकरे का कहना है कि कानून के मुताबिक एसआईआर तभी कराया जाता है, जब किसी तरह की आपात स्थिति पैदा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख वोटर जोड़े गए और इसी के जरिए सत्ता पर कब्जा किया गया। अब एसआईआर के जरिए करीब दो करोड़ लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर ये दो करोड़ वोटर कौन हैं?

एसआईआर की जरूरत ही क्या है?

राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में पूरी एसआईआर प्रक्रिया को रद्द किया जाना चाहिए। उनका तर्क है कि कानून में एसआईआर के लिए आपात स्थिति का प्रावधान है, लेकिन मौजूदा हालात में इतनी बड़ी कवायद क्यों की जा रही है, यह समझ से बाहर है।

पहले लाखों वोटर जोड़े गए, अब करोड़ों हटाए जा रहे

एमएनएस प्रमुख ने विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए दावा किया कि उस दौरान 40 से 60 लाख वोटर जोड़े गए थे और इसी के दम पर सत्ता हासिल की गई। अब उनका आरोप है कि एसआईआर के जरिए करीब दो करोड़ लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर किया जा रहा है। राज ठाकरे ने सवाल उठाया कि आखिर जिन दो करोड़ वोटरों को हटाया जा रहा है, वे कौन लोग हैं और उनके नाम क्यों हटाए जा रहे हैं?

सभी दलों से दिल्ली जाने की अपील

राज ठाकरे ने महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर दिल्ली जाने और एसआईआर को रद्द करने की मांग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल किसी एक राजनीतिक पार्टी का नहीं है, इसलिए सभी दलों को मिलकर इसका विरोध करना चाहिए।

वोटिंग मशीनों पर भी उठाया सवाल

राज ठाकरे ने चुनाव में इस्तेमाल होने वाली वोटिंग मशीनों को बंद करने की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि अब चुनाव वोटिंग मशीनों के बजाय बैलेट पेपर से कराए जाने चाहिए। उनका कहना है कि चुनाव प्रक्रिया में लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए बैलेट पेपर से चुनाव कराना जरूरी है।

चव्हाण बोले- हमें राज ठाकरे की बात मंजूर नहीं



रविवार को मुंबई में ठाकरे ब्रदर्स अपने समर्थकों के सामने दहाड़े। दोनों ने एक सुर में महाराष्ट्र में हुई एसआईआर को रद्द करने की मांग की और कहा है कि जब तक ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं हो जाता। तब तक ये आंदोलन यूं ही चलता रहेगा। इतना ही नहीं इस दौरान, राज ठाकरे ने चुनाव का बहिष्कार करने की मांग कर दी, लेकिन कांग्रेस के दिग्गज नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने इसे नामंजूर कर दिया है। दरअसल मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा था कि चुनाव का बहिष्कार कीजिए क्योंकि दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। मैं 2017-18 से कह रहा हूं कि मतदाता सूची में गड़बड़ है क्योंकि इस तरह से वोट कम नहीं हो सकते। भाजपा के वोट इस तरह से बढ़ भी नहीं सकते। मैं सत्ताधारी पार्टी से सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि हमें कोई अपेक्षा नहीं है। हमें कोई गुस्सा भी नहीं है कि आप सत्ता पर बैठे हैं लेकिन आप सत्ता किस तरीके से चला रहे हैं और किसलिए चला रहे हैं इसका हमें गुस्सा है। हमें इसी बात का गुस्सा है कि इस देश के मतदाता को तय करना होगा कि किसे सत्ता में बैठना है। वहीं मनसे प्रमुख राज ठाकरे के चुनाव को बहिष्कार करने वाले बयान पर कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि हमें इलेक्शन का बायकॉट करना चाहिए। लोकतांत्रिक सरकार पाना हमारा हक है, यह सही रणनीति नहीं है। जब 2024 में मेरा इलेक्शन हुआ, तो मैंने विरोध किया था। मैंने कहा था कि मेरे केस में डुप्लिकेट वोटर जोड़े गए थे जिन्होंने कई बार वोट डाला। कुछ स्थानों पर अल्पसंख्यक वोटरों को वोट देने के हक से वंचित रखा गया, कुछ जगहों पर गरीब लोगों को वोट देने के हक से वंचित रखा गया। वे लोग जो कांग्रेस पार्टी का समर्थन करते थे, यह सिर्फ वोट की चोरी नहीं है, यह चुनाव की चोरी है।

देश की तमाम स्वतंत्र संस्थाओं को नियंत्रण में लिया गया

पश्चिम बंगाल में चल रहे उपचुनाव का उदाहरण देते हुए उद्धव ठाकरे ने बताया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे, उन्होंने अर्जियां दीं और वे अपने मताधिकार की बहाली के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस पर तत्काल सुनवाई करने के बजाय यह कहकर मामला टाल दिया कि यह केवल एक उपचुनाव ही तो है। तारीख पे तारीख दिए जाने पर सवाल उठाते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि चुनाव निकल जाने के बाद सुनवाई का क्या औचित्य रहेगा? उन्होंने कहा कि यह पूरी स्थिति इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि देश की तमाम स्वतंत्र संस्थाओं को किस तरह दबाव और नियंत्रण में ले लिया गया है।

कांग्रेस-एनसीपी (एसपी) के नेता भी हुए शामिल

गर्जना मार्च में कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात और विजय वडेट्टीवार के अलावा शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) के जयंत पाटील, शशिकांत शिंदे, जितेंद्र आव्हाड और अनिल देशमुख ने भी मार्च में हिस्सा लिया। कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लंबे समय से 'वोट चोरी' का मुद्दा उठा रहे हैं और उन्होंने इसे लेकर सबूत भी पेश किए हैं। थोरात ने चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। थोरात ने ज्ञानेश कुमार को 'भ्रष्ट प्रशासन का प्रतीक' बताते हुए आरोप लगाया कि सत्ता हासिल करने के लिए वोटों की चोरी और अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने 2014 के बाद के समय को देश के इतिहास का 'काला दौर' करार दिया। उन्होंने लोगों से लोकतंत्र और संविधान की गरिमा को फिर से स्थापित करने के लिए संघर्ष करने की अपील की।

पशु दिवस पर निकला लोमड़ियों का मार्च: आशीष शेलार



महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता आशीष शेलार ने रविवार को शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ निकाली गई विरोध रैली पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि विश्व पशु दिवस के मौके पर निकाली गई यह रैली असल में लोमड़ियों का मार्च है। शेलार ने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और दूसरे विपक्षी दल चुनाव जीतने में नाकाम रहने के बाद चुनाव आयोग और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर सवाल उठा रहे हैं। शेलार ने कहा कि आज विश्व पशु दिवस है। रैली और उसके नाम को देखकर मुझे लगता है कि यह गर्जना मोर्चा नहीं, बल्कि कोल्हेकुई मोर्चा यानी लोमड़ियों का मार्च है। लोमड़ियां कह रही हैं कि अंगूर खट्टे हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव जीतने में अपनी नाकामी का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ा जा रहा है। उनके मुताबिक, यह चालाक लोगों का जमावड़ा है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ होगी विजिलेंस जांच

● केरलम के गृह मंत्री ने दिया आदेश; 2006 के सुसाइड केस से जुड़ा मामला

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के बीच केरल में उनके खिलाफ विजिलेंस जांच के आदेश दिए गए हैं। यह मामला 2006 में कुमार के राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव रहने के दौरान हुई कथित गड़बड़ियों से जुड़ा है। यह मामला मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से जुड़ा है, जो केरल राज्य परिवहन परियोजना (केएसटीआर) के तहत एमसी रोड के अपग्रेडेशन में शामिल पीएटीआई-बीईएल कंसोर्टियम से जुड़े थे। खबरों के मुताबिक, उनके सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का ज़िक्र था। गृह मंत्री के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि बाहरी दबाव डाले जाने और मूल जांच को पटरी से उतारने के आरोपों के बाद यह जांच शुरू की जा रही है। बयान में आगे कहा गया कि राज्य के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने विजिलेंस डायरेक्टर को सीधे निर्देश दिए हैं कि वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े मामले में बाहरी प्रभाव के आरोपों की गहन जांच करें और जांच के नतीजों के आधार पर उचित कार्रवाई करें।

चौदह करोड़ का सोना-हीरा जब्त

एयरपोर्ट पर डीआरआई की कार्रवाई, कर्मचारी सहित आठ तस्कर गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर संगठित तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो-तरफा तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई में करीब 12.64 करोड़ कीमत का 8.564 किलोग्राम विदेशी सोना और करीब 1.09 करोड़ रुपए के 1,168.97 कैरेट हीरे जब्त किए गए हैं। मामले में एयरपोर्ट कर्मचारी, छह ट्रांजिट यात्री और एक भारतीय यात्री समेत कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुख्ता सूचना के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने एयरपोर्ट के एक कर्मचारी पर नजर रखी। कर्मचारी को डिपार्चर एरिया में उस समय पकड़ा गया, जब वह दुबई जाने वाले एक भारतीय यात्री को कथित तौर पर हीरे सौंप रहा था।

कर्मचारी के पास मिले सोने के तीन कैप्सूल

कर्मचारी की तलाशी लेने पर उसके पास से सोने के तीन कैप्सूल बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान कथित तस्करी नेटवर्क से जुड़ी जानकारी सामने आई। अधिकारियों के मुताबिक, दुबई, दोहा, जेद्दा और फुजैराह से आए छह ट्रांजिट यात्रियों को कर्मचारी को सोने के कैप्सूल सौंपने थे। जांच में पता चला कि ये छह ट्रांजिट यात्री भारत में रुकने के बाद सिंगापुर और ढाका के लिए रवाना होने वाले थे। डीआरआई अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए सभी संदिग्ध यात्रियों को पकड़ लिया। इसके बाद नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच शुरू की गई।

1,168.97 कैरेट हीरे जब्त

कार्रवाई में कुल 1,168.97 कैरेट हीरे बरामद हुए। इनमें 132.17 कैरेट प्राकृतिक हीरे और 1,036.80 कैरेट लैब-ग्रोन हीरे शामिल हैं। इसके अलावा 8.564 किलोग्राम विदेशी सोना भी जब्त किया गया, जिसकी कीमत करीब 12.64 करोड़ बताई गई है।

फिर बदलेगा जीएसटी कानून!

● जीएसटी अधिकारियों को नहीं होगा गिरफ्तारी का अधिकार!

● अभियोजन की सीमा बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जीएसटी कानून में कारोबारियों को बड़ी राहत देने की तैयारी है। जीएसटी अधिकारियों से गिरफ्तारी की ताकत वापस लेने का प्रस्ताव है। अगर इस पर सहमति बनती है तो किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए कोर्ट की मंजूरी जरूरी होगी। इसके साथ ही आपराधिक मुकदमा शुरू करने की सीमा भी 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए की जा सकती है। जीएसटी काउंसिल की 7 अक्टूबर को होने वाली बैठक में इन प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है। इस बदलाव का सीधा असर कारोबारियों पर पड़ सकता है। अभी कुछ गंभीर मामलों में जीएसटी अधिकारी कमिश्नर स्तर के अधिकारी की मंजूरी के बाद गिरफ्तारी कर सकते हैं। इनमें टैक्स चोरी, फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लेने या गलत तरीके से रिफंड हासिल करने जैसे मामले शामिल हैं। प्रस्ताव के तहत अधिकारियों की गिरफ्तारी की यह ताकत खत्म की जा सकती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं होगा कि टैक्स चोरी करने वालों को कार्रवाई से छूट मिल जाएगी। जीएसटी काउंसिल के सामने 24 अपराधों से जुड़े नियमों में नरमी लाने का प्रस्ताव भी है।

हिंदमाता एंकर: विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से भी ज्यादा आम और दर्दनाक स्वास्थ्य स्थिति एंडोमेट्रियोसिस से होने वाले ज्यादातर नुकसान को रोका जा सकता है

एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही हैं दुनिया की हर सात में से एक महिला, भारत में लगभग 2.7 करोड़ महिलाएं प्रभावित

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

दुनियाभर में हर सात में से एक महिला एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही है, जो मधुमेह से भी ज्यादा आम और दर्दनाक स्वास्थ्य स्थिति है। हालांकि चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि इससे होने वाले ज्यादातर नुकसान को रोका जा सकता है।



बढ़ जाता है बांझपन का जोखिम

एंडोमेट्रियोसिस सर्जन और इंडियन सेंटर फॉर एंडोमेट्रियोसिस (आईसीई) के निदेशक डॉ. अभिषेक मंगेशिकर ने बताया कि एंडोमेट्रियोसिस के लंबे समय तक बने रहने से बांझपन का जोखिम बढ़ जाता है, क्योंकि इससे अंडाशय और फैलोपियन ट्यूब को नुकसान पहुंचता है तथा निषेचित अंडाणु के गर्भाशय की बाहरी दीवार पर चिपकने में बाधा पैदा होती है।

पैदा होने लगते हैं गर्भाशय की परत जैसे ऊतक

डॉ. मंगेशिकर ने कहा कि एंडोमेट्रियोसिस को अब सिर्फ महिलाओं से जुड़ी स्वास्थ्य स्थिति से कहीं ज्यादा माना जाता है; यह शरीर के लगभग किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है और तब होता है, जब गर्भाशय की परत से मिलते-जुलते ऊतक गर्भाशय के बाहर या कभी-कभार अप्रत्याशित जगहों और अंगों में पैदा होने लगते हैं।

पेट की दीवार को प्रभावित करने वाले घाव

कुछ ज्यादा जटिल और अक्सर गलत पहचान वाले मामलों में आंतों, मूत्रनली, मूत्राशय, छाती, डायाफ्राम, नसों और यहां तक कि पेट की दीवार को प्रभावित करने वाले घाव शामिल होते हैं, जिनके सही निदान और उचित इलाज के लिए अक्सर विशेषज्ञ देखभाल और कई तरह के विशेषज्ञों की टीम की जरूरत होती है।

कामकाजी जीवन और तरक्की पर भी असर

डॉ. मंगेशिकर ने कहा कि भारत में लाखों महिलाओं के लिए एंडोमेट्रियोसिस सिर्फ एक स्वास्थ्य स्थिति नहीं है, बल्कि इसमें लगातार बने रहने वाले दर्द और खून के अत्यधिक रिसाव जैसे लक्षणों का असर उनके कामकाजी जीवन और तरक्की पर भी पड़ता है।

लगभग 2.7 करोड़ महिलाएं प्रभावित

डॉ. मंगेशिकर ने बताया कि एंडोमेट्रियोसिस सोसाइटी इन इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में लगभग 2.7 करोड़ महिलाएं इस स्वास्थ्य स्थिति से जूझ रही हैं। उन्होंने बताया कि वैश्विक आंकड़ों के अनुसार, दुनियाभर में हर सात में से एक महिला को एंडोमेट्रियोसिस की शिकायत है, जो मधुमेह से भी ज्यादा आम है, लेकिन इसके बारे में बहुत कम ही सुना जाता है।

कई तरह के कैंसर से भी अधिक जटिल

डॉ. मंगेशिकर ने कहा कि गंभीर एंडोमेट्रियोसिस ऐसी स्वास्थ्य स्थिति नहीं है, जिसका इलाज सामान्य स्त्री रोग विशेषज्ञ करे। यह आंत, मूत्राशय, मूत्रवाहिनी और पेल्विक नसों को प्रभावित कर सकती है और सर्जरी के लिहाज से कई तरह के कैंसर से भी अधिक जटिल हो सकती है।

समय पर उपचार जरूरी

डॉ. मंगेशिकर ने कहा कि हर नाकाम सर्जरी का मतलब है अस्पताल में ज्यादा समय तक रुकना, काम से अधिक छुट्टियां लेना, पदोन्नति न मिल पाना और कई महिलाओं के लिए तो अपना करियर ही छोड़ देना। इसे बदलना होगा। जब विशेषज्ञ एंडोमेट्रियोसिस का इलाज करते हैं, तो इसके दोबारा उभरने की दर घटकर लगभग दो से चार फीसदी ही रह जाती है। समय पर उपचार मिलना बेहद जरूरी है।

शिवसेना यूबीटी नेता प्रदीप पूर्णेकर हत्याकांड पर गर्माई राजनीति

सुषमा अंधारे ने उठाई सीबीआई जांच की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे



मुंबई में शिवसेना के मानपाड़ा विभाग प्रमुख प्रदीप पूर्णेकर की हत्या के मामले ने महाराष्ट्र की राजनीति में तूल पकड़ लिया है। इस वारदात की जांच के बीच ठाकरे गुट की उपनेत्री सुषमा अंधारे ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की एवं शिंदे गुट की पूर्व महापौर मीनाक्षी शिंदे समेत पुलिस की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला किया। अंधारे ने आरोप लगाया कि इस हत्या के पीछे लगभग 5 करोड़ रुपए का वित्तीय लेन-देन हुआ है और पिछले 15 दिनों से पूर्णेकर की रेकी की जा रही थी। उन्होंने पुलिस से पवार नगर स्थित होटल महाराजा की गुप्त बैठक का सीसीटीवी फुटेज जब्त करने, मुख्य आरोपियों का नार्को टेस्ट कराने एवं मामले की पूरी जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। अंधारे ने कहा कि पूर्णेकर के परिवार के साथ पूरी पार्टी की संवेदनाएं हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बावजूद मुख्य संदिग्ध मीनाक्षी शिंदे और राजेंद्र शिंदे को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? अंधारे ने दावा किया कि क्लस्टर योजना में गरीबों के हक और मीनाक्षी शिंदे के जाति प्रमाण पत्र को लेकर पूर्णेकर लगातार संघर्ष कर रहे थे। इसी रंजिश में पवार नगर के होटल महाराजा में मीनाक्षी शिंदे, राजा शिंदे और टल्या की गुप्त बैठक हुई थी।

9 अक्टूबर को पुलिस आयुक्त कार्यालय पर मोर्चा

शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के विरोध में भयमुक्त ठाणे की मांग को लेकर विभिन्न राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन एकजुट हो गए हैं। विपक्षी दलों के पदाधिकारियों ने एक पत्रकार परिषद आयोजित कर ठाणे शहर में हो रही हत्याओं, ड्रग्स के बढ़ते इस्तेमाल और पुलिस के घटते खौफ पर गंभीर सवाल उठाए। इसके साथ ही 9 अक्टूबर को शाम 4 बजे पुलिस आयुक्तालय पर एक विशाल मोर्चा निकालने की घोषणा की गई।

जमीन के पुनर्विकास विवाद में प्रदीप की हत्या : नाईक

राज्य के वन मंत्री गणेश नाईक ने आरोप लगाया है कि ठाणे के मनोरमा नगर और आजाद नगर इलाके में फैली लगभग 150 एकड़ जमीन के पुनर्विकास विवाद के चलते ही प्रदीप पूर्णकर की हत्या हुई है। पूर्व सांसद संजीव नाईक, धनंजय सिंह सहित अन्य के साथ पूर्णकर के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त करने के बाद वन मंत्री गणेश नाईक ने पुलिस से गहराई से जांच करने की मांग की। प्रदीप पूर्णेकर किस राजनीतिक दल के थे, इससे परे वे एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने कहा कि पुलिस की निष्पक्ष और गहन जांच से ही इस हत्याकांड के असली सूत्रधार और इसके पीछे के वास्तविक कारणों का पदार्फाश हो सकेगा। नाईक ने पूर्णकर परिवार से मुलाकात के बाद कहा कि परिजनों ने जांच एजेंसियों के सामने कई महत्वपूर्ण तथ्य रखे हैं।

आटा-दाल के बाद सरसों तेल भी महंगा

• महाराष्ट्र में पांच साल के ऊंचे स्तर पर पहुंची कीमतें; स्टॉक 7.75% कम

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



देश भर में अलनीनो के चलते कहीं सूखा कहीं बाढ़ का प्रभाव खाद्य वस्तुओं पर दिखने लगा है। आटा दाल में में महंगाई के बाद अब सरसों तेल बाजार में तेजी का रंग और गहरा हो गया है। सीमित उपलब्धता और मजबूत मांग के बीच सरसों के भाव करीब पांच साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गए हैं। अक्टूबर की शुरूआत में बाजार में पिछले साल की तुलना में करीब 7.75 फीसदी कम स्टॉक रहने से आपूर्ति का दबाव साफ दिखाई दे रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में सरसों के भाव की दिशा पर कारोबारियों की नजर बनी हुई है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के उपाध्यक्ष एवं ठाणे जिला होलसेल व्यापारी वेलफेयर महासंघ के अध्यक्ष सुरेश भाई ठक्कर के मुताबिक, बाजार में सरसों की उपलब्धता सीमित है, जबकि घरेलू मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। यही समीकरण फिलहाल कीमतों को ऊंचा बनाए हुए है।

खल-डीओली में भी मांग का जोर

सरसों की क्रशिंग से निकलने वाली खल और डीओली की मांग मजबूत बनी हुई है। पशु आहार उद्योग से मिलने वाली मांग के चलते क्रशिंग मिलों की खरीदारी को भी सहारा मिल रहा है। दूसरी ओर, सरसों तेल के भाव में हाल के दिनों में तेजी दर्ज की गई है। हालांकि, बाजार की तेजी के सामने एक बड़ी चुनौती सोया और पाम तेल के मुकाबले सरसों तेल का बढ़ता मूल्य अंतर है। यदि यह अंतर और बढ़ता है तो उपभोक्ता और थोक खरीदार सस्ते विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे ऊंचे स्तर पर सरसों तेल की तेजी सीमित हो सकती है।

त्योहारों से बढ़ेगी तेल की खपत

आगामी त्योहारी सीजन बाजार के लिए अहम है। त्योहारों के दौरान खाद्य तेल की खपत बढ़ने की संभावना से सरसों तेल की मांग को समर्थन मिल सकता है। इससे सरसों की क्रशिंग और कच्चे माल की मांग भी बनी रहने की उम्मीद है।

रबी फसल पर टिकी बाजार की नजर

फिलहाल बाजार की नजर अगली रबी फसल पर है। अनुकूल मौसम रहने पर नई फसल की संभावनाएं बेहतर हो सकती हैं और मौजूदा आपूर्ति दबाव कुछ कम हो सकता है। लेकिन तब तक सीमित स्टॉक और मजबूत मांग सरसों के भाव को समर्थन देते रह सकते हैं। फिलहाल सरसों में तेजी का पलड़ा भारी है, लेकिन ऊंचे भाव पर सोया-पाम तेल से प्रतिस्पर्धा और आने वाली रबी फसल आगे की तेजी की रफ्तार तय करेगी।

पति की हत्या में पत्नी गिरफ्तार

प्रेम विवाह के बाद बढ़ा विवाद

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे



प्रेम विवाह के बाद शुरू हुई एक दंपति की जिंदगी कथित एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के कारण विवादों में घिर गई और मामला हत्या तक पहुंच गया। पति की हत्या के मामले में करीब छह महीने से फरार चल रही आरोपी महिला को ठाणे पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दीपाली उर्फ बाली विजय सालुंके के रूप में हुई है। पुलिस का आरोप है कि विवाहेतर संबंध को लेकर दीपाली और उसके पति गौरव रागड़े के बीच लगातार विवाद होता था और इसी विवाद के बीच गौरव की हत्या कर दी गई।

कथित संबंध को लेकर झगड़े

गौरव रागड़े नागपुर के अजनी इलाके में ऑटो-रिक्शा चलाते थे। गौरव और दीपाली ने प्रेम विवाह किया था। शुरूआत में दोनों के बीच सबकुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में रिश्ते में तनाव बढ़ने लगा। पुलिस जांच में सामने आई जानकारी के मुताबिक, दीपाली के कथित विवाहेतर संबंध को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता था। बताया जा रहा है कि गौरव को पत्नी के कथित संबंध के बारे में जानकारी मिलने के बाद दोनों के बीच विवाद और बढ़ गया था। इसी वजह से उनके वैवाहिक जीवन में लगातार तनाव बना हुआ था। पुलिस का आरोप है कि दीपाली अपने कथित रिश्ते को जारी रखना चाहती थी, जबकि गौरव इसका विरोध करता था। इसी विवाद को हत्या के पीछे की अहम वजह के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि पूरे घटनाक्रम और हत्या में आरोपी महिला की भूमिका की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

छह महीने बाद गिरफ्तारी

गौरव की हत्या के बाद दीपाली पुलिस की पकड़ से बाहर हो गई थी। पुलिस उसकी तलाश में लगातार जुटी हुई थी, लेकिन करीब छह महीने तक उसका कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी मौजूदगी छिपा रही थी। पुलिस उसके संभावित ठिकानों के साथ परिचितों और अन्य संपर्कों के बारे में भी जानकारी जुटा रही थी। लंबी तलाश के बाद ठाणे पुलिस को दीपाली के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। करीब छह महीने बाद हुई गिरफ्तारी को मामले की जांच में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

हत्या की कड़ियां जोड़ने में जुटी पुलिस

अब पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर हत्या से जुड़े पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने की कोशिश करेगी। जांच का मुख्य फोकस इस बात पर रहेगा कि गौरव की हत्या की योजना किस तरह बनाई गई, वारदात में महिला की कथित भूमिका क्या थी और क्या इसमें किसी अन्य व्यक्ति ने भी उसकी मदद की थी। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर सकती है कि हत्या के बाद दीपाली इतने लंबे समय तक कहां-कहां रही और किन लोगों ने उसे शरण या दूसरी तरह की मदद दी।

15.43 करोड़ की धोखाधड़ी का केस

दो के खिलाफ मामला दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

हिललाइन पुलिस थाने की सीमा में 15 करोड़ 43 लाख 23 हजार 232 रुपए की कथित धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला सामने आया है। पुलिस ने एक कंपनी के निदेशक सहित दो लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

व्यापारिक लेन-देन में धोखाधड़ी

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता भरत द्वारका यादव (48), एक निजी कंपनी में निदेशक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 1 फरवरी से 28 अप्रैल 2026 के बीच आरोपियों ने व्यापारिक लेन-देन के दौरान कंपनी द्वारा विश्वास के आधार पर सौंपा गया माल बेच दिया। इसके बाद न तो माल की रकम लौटाई गई और न ही माल वापस किया गया।

दो आरोपियों पर केस

शिकायत के मुताबिक, इससे कंपनी को 15.43 करोड़ रुपए से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ। पुलिस ने शरद भाऊसाहेब सुके और सागर राजू शिंदे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर विश्वास का दुरुपयोग कर माल का गबन करने का आरोप है। हिललाइन पुलिस आर्थिक लेन-देन समेत मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जांच पुलिस उपनिरीक्षक योगेश घोड़के कर रहे हैं।

फर्जी डिग्री से इलाज का केस

'जिशान बवासीर दवाखाना' पर कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी



नदीयापार इलाके में बिना वैध मेडिकल डिग्री के मरीजों का एलोपैथिक उपचार करने का मामला सामने आया है। शांतीनगर पुलिस ने मनपा स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी की शिकायत पर मोहम्मद अकील मोहम्मद हलीम खान (41) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

'बीएएमएस' लिखकर चला रहा था क्लिनिक

पुलिस के अनुसार, आरोपी मेराज मस्जिद के पास आसमा अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर स्थित गाला नंबर 3 में 'जिशान बवासीर दवाखाना' चला रहा था। आरोप है कि उसके पास महाराष्ट्र में चिकित्सा व्यवसाय करने के लिए आवश्यक मान्य मेडिकल डिग्री या प्रमाणपत्र नहीं था। इसके बावजूद वह अपने नाम के आगे 'बीएएमएस' लिखकर खुद को योग्य चिकित्सक बता रहा था।

दवाएं और सामग्री बरामद

शिकायत के मुताबिक, आरोपी मरीजों को एलोपैथिक दवाएं और चिकित्सा सामग्री देकर उपचार करता था। शिकायत में करीब 15,367 रुपए कीमत की दवाओं और चिकित्सा सामग्री का भी उल्लेख है।

दस्तावेजों की जांच जारी

शांतीनगर पुलिस ने महाराष्ट्र प्रैक्टिशनर्स एक्ट की धारा 33 और 36 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी के दस्तावेजों और चिकित्सा सामग्री की जांच कर रही है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक जीवन मस्के कर रहे हैं।

एसआईआर विरोध पर चव्हाण का पलटवार

संसद में अमित शाह के बयान का हवाला

हिंदमाता संवाददाता @ डोंबिवली/नवी मुंबई



भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने एसआईआर प्रक्रिया के विरोध को लेकर ठाकरे बंधुओं के 'गर्जना मोर्चा' पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा एसआईआर को लेकर रखे गए पक्ष का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों और नेताओं की भूमिका पर सवाल उठाए।

विपक्ष से पूछे अहम सवाल

चव्हाण ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विपक्ष के सामने कुछ अहम सवाल रखे। उन्होंने पूछा कि क्या घुसपैठिए यह तय करेंगे कि देश का प्रधानमंत्री और राज्य का मुख्यमंत्री कौन बने? अगर ऐसा हुआ तो क्या लोकतंत्र सुरक्षित रहेगा? उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या किसी मतदाता को एक से अधिक स्थानों पर मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए?

मृतकों के नाम मतदाता सूची में क्यों?

चव्हाण ने पूछा कि जिन नागरिकों की मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम मतदाता सूची में बने रहने चाहिए या नहीं। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों और नेताओं से अपील की कि वे पहले इन सवालों का जवाब दें और उसके बाद ही विरोध प्रदर्शन करें।

मुंबई पुस्तक महोत्सव का लोगो लॉन्च

24 से 29 नवंबर तक कालीना परिसर में होगा छह दिवसीय साहित्यिक-सांस्कृतिक आयोजन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 30 सितंबर को मुंबई पुस्तक महोत्सव 2026 के लोगो और आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया। इसके साथ ही छह दिवसीय महोत्सव की तैयारियों को औपचारिक गति मिल गई है। आयोजन 24 से 29 नवंबर तक मुंबई विश्वविद्यालय के कालीना परिसर में होगा।



600 से अधिक स्टॉल

महोत्सव का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मुंबई विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र सरकार और बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सहयोग से किया जा रहा है। इसमें मराठी, हिंदी सहित अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य, पुस्तकों और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले 600 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे।

साहित्य और संस्कृति का मंच

आयोजकों के अनुसार महोत्सव में पुस्तकें, साहित्य, कला और संस्कृति एक मंच पर आएंगे। छात्रों, परिवारों, पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों को इसमें शामिल होने का अवसर मिलेगा। आयोजन में विभिन्न भाषाओं और आयु वर्ग के पाठकों की भागीदारी की उम्मीद है।

नि:शुल्क प्रवेश

महोत्सव में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा और पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में विधायक एवं मुख्य आयोजक अमित साटम, मुख्य संयोजक आचार्य पवन त्रिपाठी, एनबीटी-इंडिया अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे, मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविंद्र डी. कुलकर्णी और एनबीटी-इंडिया निदेशक युवराज मलिक उपस्थित रहे। वेबसाइट के जरिए पंजीकरण कर महोत्सव में शामिल हुआ जा सकेगा।

मुंबई में विराट जैन रथयात्रा

50 हजार से अधिक श्रद्धालु हुए शामिल

1100 जैन संघों ने दिया एकता और संस्कार का संदेश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुंबई में रविवार को श्री मुंबई जैन संघ संगठन के तत्वावधान में विराट सामूहिक जैन रथयात्रा निकाली गई। करीब तीन किलोमीटर लंबी इस रथयात्रा में 50 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। 1100 जैन संघों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जबकि 200 से अधिक धार्मिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और सामाजिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। रथयात्रा का शुभारंभ महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने किया।

धर्म और एकता का संदेश

जैन आचार्य नयपद्म सागर सूरीश्वर महाराज की उपस्थिति में आयोजित यात्रा में 400 से अधिक साधु-साध्वी भी शामिल हुए। श्रावक-श्राविकाओं, युवाओं और बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया। धर्मध्वजाओं, रंगोलियों और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालुओं ने धर्म और एकता के जयकारे लगाए। झांकियों के जरिए विश्व शांति, सामाजिक एकता, स्वच्छता और संस्कारों का संदेश दिया गया।

मिनी बाइक पर बालक आकर्षण

रथयात्रा में मिनी मोटरसाइकिल पर सवार एक नन्हा बालक लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। उसके पीछे श्रद्धालुओं का बड़ा काफिला चल रहा था। इस अवसर पर समाजसेवी चुन्नीलाल चंदन और जिनशासन एकता प्रेमी बाबूलाल भंसाली को 'शासनरत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया।

नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ना

ट्रस्टी भंवरलाल कोठारी ने कहा कि रथयात्रा का उद्देश्य जैन संघों के बीच एकता मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को धर्म और संस्कारों से जोड़ना है। आशीषभाई शाह ने कहा कि सुख, शांति और सभी के मंगल की कामना के साथ निकली यात्रा मुंबई के जैन समाज की एकजुटता का प्रतीक बनी। कुछ घंटों तक मुंबई की सड़कों पर धर्म के जयघोष और भक्ति गीत गूंजते रहे।

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी



कोनगांव पुलिस ने राजनोली इलाके में चाकू लेकर घूम रहे 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल भी जब्त की है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हाईवे पर कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, 2 अक्टूबर की सुबह करीब 6:35 बजे मुंबई-नाशिक हाईवे पर टाटा आमंत्रा गेट नंबर-2, राजनोली के पास कार्रवाई की गई। पुलिस ने बदलापुर निवासी साहिल सुनील केदार (20) को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से चाकू और मोटरसाइकिल बरामद हुई। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 80,400 रुपए बताई गई है।

प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन

पुलिस के मुताबिक, साहिल ने बिना अनुमति चाकू अपने पास रखकर ठाणे शहर पुलिस उपायुक्त, विशेष शाखा द्वारा 28 सितंबर को जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन किया। कोनगांव थाने में भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 4 व 25 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसे 2 अक्टूबर को दोपहर 2:45 बजे गिरफ्तार किया। जांच पुलिस उपनिरीक्षक अनिल धुमसे कर रहे हैं।

ठाणे-पालघर में पान मसाला

सुगंधित तंबाकू के खिलाफ एफडीए सख्ते 2.69 करोड़ का माल जब्त

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे



महाराष्ट्र में प्रतिबंधित पान मसाला, सुगंधित तंबाकू और अन्य प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की अवैध ढुलाई, भंडारण और बिक्री के खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने ठाणे और पालघर जिले में बड़ी कार्रवाई की है। ठाणे जोन-10, ठाणे जोन-7 और पालघर जोन-1 में की गई कार्रवाई में खाद्य पदार्थों और वाहनों समेत कुल करीब 2 करोड़ 69 लाख 29 हजार 860 रुपए का माल जब्त किया गया।

येवई ब्रिज पर ट्रक से 1.01 करोड़ का माल जब्त

ठाणे जोन-10 को प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ ले जाने वाले आइशर ट्रक क्रमांक एमएच-18-बीजेड-4528 के येवई ब्रिज क्षेत्र में आने की सूचना मिली थी। एफडीए अधिकारियों ने अपराध शाखा के पीएसआई शिवाजी झांजुर्णे और पुलिसकर्मियों की मदद से ट्रक को रोककर जांच की। ट्रक से प्रीमियम राज निवास पान मसाला के 27,540 पैकेट, जिनकी कीमत 55.08 लाख रुपए, तथा जेड.एन.01 जाफरानी जर्दा के 27,540 पैकेट, जिनकी कीमत 26.43 लाख रुपए है, बरामद किए गए। खाद्य पदार्थों की कुल कीमत 81.51 लाख रुपए है। करीब 20 लाख रुपए मूल्य का ट्रक भी जब्त किया गया।

पालघर में 63.50 लाख की जब्ती

पालघर जोन-1 के तहत चारोटी टोल नाका क्षेत्र में कार्रवाई की गई। यहां प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की कीमत 43.50 लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा करीब 20 लाख रुपए मूल्य का आइशर क्लोज्ड बॉडी ट्रक क्रमांक टीजी12यू4371 जब्त किया गया। कुल जब्ती 63.50 लाख रुपए की है। मामले में वाहन चालक फिरोज खाजा मिया सय्यद समेत सात आरोपियों की संलिप्तता सामने आई है। कासा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। मामले में संगठित गतिविधि और मकोका लागू होने की संभावना को लेकर भी जांच के निर्देश दिए गए हैं।

टैंकर की टक्कर, चार घायल

हिंदमाता संवाददाता @ वसई



नालासोपारा पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाले फ्लाईओवर पर शनिवार शाम करीब पांच बजे भीषण हादसा हुआ। तेज रफ्तार टैंकर चालक का वाहन से नियंत्रण छूट गया। टैंकर ने आगे चल रहे रिक्शा और दोपहिया सहित चार वाहनों को एक के बाद एक जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

रिक्शा चालक फंसा

टैंकर की टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो रिक्शे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। एक रिक्शा चालक उसके अंदर फंस गया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने तत्काल मदद शुरू की और रिक्शे में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल चारों लोगों को नागरिकों की मदद से तत्काल वसई-विरार महानगरपालिका के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पूर्व विधायक की कार भी चपेट में

हादसे के दौरान पूर्व विधायक राजेश पाटील का वाहन भी फ्लाईओवर से गुजर रहा था। टैंकर की टक्कर का असर उनके वाहन पर भी पड़ा और कार को मामूली नुकसान हुआ। हालांकि, राजेश पाटील सुरक्षित रहे। उन्होंने वाहन रोककर स्थानीय लोगों के साथ घायलों की मदद की और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में पहल की।

एमबीएमसी की नाक के नीचे निर्माण

आम नागरिकों ने उंाए सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा रोड



मीरा-भायंदर महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 4 में मैरी गोल्ड रोड, बेवर्ली पार्क के पास चंदन शांति, मीरा रोड पूर्व में दक्षिण प्योर वेज होटल का निर्माण तेजी से जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ माह पहले इस निर्माण को ध्वस्त किया गया था, लेकिन अब दोबारा युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया गया है।

कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि क्या महानगरपालिका अधिकारियों को इस निर्माण की जानकारी नहीं है। यदि जानकारी है तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। निर्माण लगभग पूरा होने की स्थिति में है। नागरिकों ने एमआरटीपी के तहत कार्रवाई कर महानगरपालिका की छवि सुधारने की मांग की है।

दस्तावेजों की जांच हो

नागरिकों ने स्वीकृत नक्शा, एफएसआई, जमीन का उपयोग, मंजूर मंजिलों की संख्या, पार्किंग, अग्नि सुरक्षा सहित अन्य अनुमतियों की जांच की मांग की है। अब देखना होगा कि महानगरपालिका इस मामले में क्या कार्रवाई करती है।

शॉर्ट स्टोरी

'नमो सेवा गाथा' बनाएगी रिकॉर्ड

हिंदमाता संवाददाता @ डोंबिवली/नवी मुंबई



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा के 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'नमो सेवा-अनसुनी कहानियां' नुक्कड़ नाटक अभियान का महाराष्ट्र में शुभारंभ मुंबई के के.सी. कॉलेज में प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में हुआ। इस अवसर पर कलाकारों और आयोजकों का सम्मान किया गया। अभियान के जरिए प्रधानमंत्री मोदी के संघर्ष, सेवा भाव, राष्ट्रभक्ति और सुशासन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जाएगा। पिंपरी-चिंचवड़ के कलाकार राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्तुतियां देंगे। 15 अक्टूबर तक प्रत्येक जिले में बड़े मंच पर प्रस्तुति और हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 10 नुक्कड़ नाटक होंगे। चव्हाण ने कहा कि जिस तरह उभरते कलाकारों की फिल्म 'हनुमान अंश' ने रिकॉर्ड कायम किए, उसी तरह 'नमो सेवा गाथा' भी नया रिकॉर्ड बनाएगी। कार्यक्रम में मंत्री आशीष शेलार, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधायक अमित साटम, महापौर रितू तावड़े, विधायक निरंजन डावखरे, अमित गोरखे समेत कई पदाधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे।

कैप्टन मच्छार को भारत रत्न की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



भाजपा नेता अर्जुन गुप्ता ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर कैप्टन स्मित मच्छार को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है। गुप्ता ने स्पीड पोस्ट और ईमेल के माध्यम से भेजे पत्र में कहा कि दुबई की फ्लाइट एफजेड-1073 के कैप्टन स्मित मच्छार ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए 174 यात्रियों की जान बचाई और देश का नाम गौरवान्वित किया। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन पर कैप्टन मच्छार की प्रशंसा की और भारत आने पर उनके स्वागत की बात कही है। उन्होंने राष्ट्रपति से कैप्टन मच्छार को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा करने का आग्रह किया। गुप्ता ने कहा कि ऐसा होने से देशवासियों में गौरव की भावना पैदा होगी। उन्होंने अपनी मांग पर सकारात्मक विचार किए जाने की उम्मीद जताई।

एसीपी कलीम शेख सेवानिवृत्त

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देवनार डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कलीम शेख 31 वर्षों की सराहनीय पुलिस सेवा पूरी करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में आरबीके बैंक्वेट हॉल में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सहकर्मियों ने कलीम शेख की कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समर्पित सेवाओं की सराहना करते हुए उनके साथ काम करने के अनुभव साझा किए। अधिकारियों ने उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की। विदाई समारोह के दौरान माहौल भावुक हो गया। सहकर्मियों ने कहा कि पुलिस विभाग में लंबे समय तक जिम्मेदारी निभाने वाले कलीम शेख का व्यवहार और कार्यशैली हमेशा याद रहेगी। कलीम शेख ने वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस सेवा के दौरान मिला सहयोग और अनुभव उनके जीवन की महत्वपूर्ण यादों में शामिल रहेगा।

रक्तदान शिविर में 51 ने किया रक्तदान

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



विठाई प्रतिष्ठान के द्वितीय स्थापना दिवस और अध्यक्ष प्रदीप दिलीप गरड के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर को नागरिकों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। शिविर में 51 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को विठाई प्रतिष्ठान की ओर से घड़ी और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान महादान है। इससे जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिलता है और समाज में सेवा व मानवता की भावना मजबूत होती है। शिविर की सफलता में महेश निंबाळकर, जितू शिरसाठे, तानाजी मंडलिक, महेश कदम, अविनाश यादव, विवेक गाडे, अजय मडके, रुपेश सोनार, आकाश वाघमारे, नयन शिंदे, गणेश गायकवाड, गोपाल जाधव, यश मडके और पियूष मडके ने विशेष योगदान दिया। डॉ. आदित्य, डॉ. केवल रमानी, सुजाता होले, ब्रदर प्रमोद जाधव, धनश्री गोसावी और रोहिणी ठोंबे सहित उनकी टीम ने भी सहयोग किया।

तानाशाही और चुनाव चोरी के खिलाफ 1857 जैसा विद्रोह

• सीईसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर बोले संजय राऊत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मनसे प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक संयुक्त विरोध मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। इस विरोध मार्च को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत ने तीखा हमला बोला है। राऊत ने कहा कि यह विरोध देश में चल रही तानाशाही, चुनावों को हाईजैक करने, चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट को अपनी जेब में रखने, वोट और चुनाव चुराने, और सांसदों व विधायकों को तोड़ने के खिलाफ है। यह उन सभी चीजों के खिलाफ एक विद्रोह है, ठीक वैसा ही जैसा 1857 में हुआ था। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने इस विरोध मार्च की घोषणा की है, जिसे पूरे महाविकास अघाड़ी का समर्थन प्राप्त है।



चुनाव रद्द कर नए सिरे से वोटिंग कराने की मांग

संजय राऊत ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा सभी चुनावों को 'गैर-कानूनी' बताए जाने के बाद राऊत ने और आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कहा, चुनावों में धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और हेरफेर हुई है। पूर्व सीईसी राजीव कुमार और मौजूदा सीईसी ज्ञानेश कुमार की भूमिका संदिग्ध है। सभी चुनाव रद्द किए जाने चाहिए और विधानसभा व लोकसभा चुनाव फिर से कराए जाने चाहिए। एक अन्य बयान में राऊत ने कहा, यह देश भर में लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक बड़ा आंदोलन है और इसकी गूंज मुंबई में साफ तौर पर दिखाई दे रही है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में यह मार्च हो रहा है।

चुनाव आयोग और सीईसी पर सीधा हमला

उन्होंने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा, जिस तरह से चुनाव कराए गए हैं, जिसमें गड़बड़ी, भ्रष्टाचार और धांधली के आरोप लगे हैं, उसे देखते हुए ज्ञानेश कुमार और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, दोनों ही देश के दुश्मन हैं।

एमपीएससी छात्रों के धरने का समर्थन

इधर, इस सियासी हलचल के बीच एमपीएससी के छात्रों का मुद्दा भी गरमाया हुआ है। पुणे में एमपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र पिछले तीन-चार दिनों से दिन-रात धरने पर बैठे हैं। इस मुद्दे पर राऊत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, रोहित पवार ने इस मुद्दे को उठाया है, उनका गुस्सा पेपर लीक, प्रक्रिया में गड़बड़ी और अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता की वजह से है। एमपीएससी में हुए घोटालों की निष्पक्ष जांच और हजारों खाली पदों पर तुरंत भर्ती, सरकार ने इन मांगों को लेकर कई आश्वासन दिए हैं। फिर भी विरोध-प्रदर्शन रुका नहीं है। इसके उलट, छात्रों को बांटने की कोशिश की गई है और उन्हें नोटिस भेजे गए हैं। मैं आज शाम 6:30 बजे इस विरोध-प्रदर्शन स्थल पर जा रहा हूं। यह महाराष्ट्र के भविष्य का सवाल है!

राज-उद्धव की गर्जना में आए गब्बर स्पाइडर मैन और खुद ज्ञानेश कुमार!

कॉस्टयूम पहनकर कुछ ऐसे किया प्रोटेस्ट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और वोटर लिस्ट रिवीजन प्रोसेस में गड़बड़ियों के मुद्दे पर देशभर में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस मुद्दे पर ठाकरे बंधुओं ने आज मुंबई में 'गर्जना' मार्च कर विरोध प्रदर्शन किया। 'गर्जना- संविधान के रक्षा की' इस नाम से रविवार सुबह 11 बजे यह मार्च शुरू हुआ। राज ठाकरे-उद्धव ठाकरे और महाविकास अघाडी के कई नेता इस मार्च में शामिल हुए। साथ ही कई नेताओं के साथ युवाओं ने भी इसमें भाग लिया। केंद्रीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग समेत कई मुद्दों पर मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की नेतृत्व में 'गर्जना' मार्च निकाला गया। मेट्रो सिनेमा से मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर तक मार्च निकाला गया। बता दें, कि इस मार्च में किसी भी पॉलिटिकल पार्टी का झंडा नहीं था। भारत का तिरंगा लेकर मार्च में कई लोग शामिल हुए। ज्ञात हो कि ठाकरे बंधुओं ने लोगों से किसी भी राजनीतिक पार्टी का नहीं बल्कि भारत का झंडा साथ लाने की अपील की थी।

उद्धव ठाकरे भविष्य के प्रधानमंत्री

राज-उद्धव की गर्जना को कांग्रेस और राकांपा ने खुलकर सपोर्ट किया। जयंत पाटिल ने इस मार्च में हिस्सा लिया। मार्च की जगह पर बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए। पोस्टरों में उद्धव ठाकरे को भविष्य का प्रधानमंत्री और राज ठाकरे को भविष्य का मुख्यमंत्री बताया गया। इन पोस्टरों ने सोशल मीडिया पर चर्चाओं का तूफान खड़ा कर दिया है।

हाथों में तिरंगा लिए आया स्पाइडर मैन

उद्धव और राज के संबोधन के साथ-साथ लोगों के कॉस्ट्यूम के लिए भी यह मार्च का विषय बन गया। मार्च में शामिल हुए लोगों ने अनोखे तरीके से इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जो कि इसका हाइलाइट बन गया। गर्जना मोर्चा में स्पाइडर मैन के कॉस्ट्यूम में एक युवा हाथों में तिरंगा लिए आया था। जिसने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की बात रखी और कहा कि जैसे स्पाइडर मैन सबको बचाता है वैसे में यहां देश को बचाने के लिए और ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगने आया हूं।

शोले फिल्म का गब्बर

मोर्चा में शोले फिल्म का विलन गब्बर भी दिखाई दिया। गब्बर की कॉस्ट्यूम में आए एक युवा ने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो बंदूक से मार दूंगा। उसके पास एक बनावटी बंदूक भी थी।

ज्ञानेश कुमार खुद को हथकड़ी

एक व्यक्ति तो हूबहू ज्ञानेश कुमार की तरह दिख रहा था। उसने ज्ञानेश कुमार की तरह कॉस्ट्यूम भी पहना हुआ था और हाथों में रस्सी बांधी हुई थी। गर्जना प्रदर्शन में उन्होंने ज्ञानेश कुमार के रोल को निभाते हुए कहा कि 'हां, मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए।'

खड़से के फार्म हाउस पर दिखा संदिग्ध ड्रोन

खड़से ने जताई बड़ी साजिश की आशंका, विशेष जांच की पुलिस से मांग

हिंदमाता नेटवर्क @ जलगांव

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता एकनाथ खड़से के जलगांव स्थित फार्म हाउस के ऊपर संदिग्ध ड्रोन उड़ने का मामला सामने आया है। खड़से ने इस घटना को अपने खिलाफ बड़ी साजिश का हिस्सा बताते हुए पुलिस से मामले की विशेष जांच कराने की मांग की है। एकनाथ खड़से के मुताबिक, 28 सितंबर की रात करीब 8 बजे से 8:15 बजे के बीच उनके जलगांव स्थित फार्म हाउस के ऊपर एक संदिग्ध ड्रोन उड़ रहा था। फार्म हाउस पर तैनात वॉचमैन की नजर ड्रोन पर पड़ी। उसने कथित तौर पर ड्रोन का वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया है। खड़से ने कहा कि घटना सामान्य नहीं है और इसके पीछे किसी बड़ी साजिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसे खुद को प्रताड़ित करने की कोशिश बताया है। पूर्व मंत्री ने पुलिस से मामले की गहराई से जांच कर ड्रोन उड़ाने वाले व्यक्ति और इसके पीछे के उद्देश्य का पता लगाने की मांग की है।



स्थानीय पुलिस जांच से आगे की मांग

खड़से का कहना है कि यह मामला केवल जलगांव पुलिस के अधिकार क्षेत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए। उन्होंने पूरे मामले की विशेष जांच कराने की मांग की है, ताकि घटना के पीछे कौन लोग हैं और ड्रोन के जरिए फार्म हाउस की निगरानी क्यों की जा रही थी, इसका सच सामने आ सके।

फोन टैपिंग और चोरी का भी जिक्र

पूर्व मंत्री ने अपने आरोपों के समर्थन में पहले की घटनाओं का भी उल्लेख किया। उनका दावा है कि इससे पहले रश्मि शुक्ला द्वारा करीब 65 दिनों तक उनका फोन टैप किया गया था। इसके अलावा उनके घर में चोरी होने की घटना का भी उन्होंने जिक्र किया।

पुलिस से षड्यंत्र का सच सामने लाने की अपील

एकनाथ खड़से ने पुलिस से इन सभी घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की जांच करने की अपील की है। उनका कहना है कि जांच के जरिए ड्रोन की गतिविधि और उनके खिलाफ कथित षड्यंत्र का सच सामने आना चाहिए। फिलहाल संदिग्ध ड्रोन उड़ाने वाले व्यक्ति की पहचान और घटना के उद्देश्य को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

टेंशनः झीलों में घटा जलस्तर

मानसून की विदाई से पहले 95.84% पहुंचा जल भंडार

मोडक सागर में सबसे कम 76.91% पानी, बढ़ी चिंता

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई में मानसून की विदाई से ठीक पहले शहर को पानी की आपूर्ति करने वाली प्रमुख झीलों के जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई है। बीएमसी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को मुंबई के सात प्रमुख जलाशयों में कुल जल भंडार 95.84 फीसदी रहा। बीएमसी जल अभियंता विभाग की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, झीलों की कुल 14,47,363 एमएलडी क्षमता के मुकाबले फिलहाल 13,87,139 एमएलडी पानी उपलब्ध है। यह आंकड़ा पिछले साल इसी अवधि में दर्ज 98.95 फीसदी और 2024 में दर्ज 99.52 फीसदी से कम है।



मोडक सागर में सबसे कम पानी

जलाशयों की स्थिति देखें तो विहार झील 100 फीसदी भर चुकी है। तुलसी में 98.33 फीसदी, मध्य वैतरणा में 99.53 फीसदी, अपर वैतरणा में 96.60 फीसदी और तानसा में 94.31 फीसदी जल भंडार दर्ज किया गया है। मुंबई के प्रमुख जलस्रोत भातसा में 7,17,037 एमएलडी क्षमता के मुकाबले 7,03,594 एमएलडी यानी 98.13 फीसदी उपयोगी जल उपलब्ध है। वहीं, मोडक सागर में सबसे कम 76.91 फीसदी पानी बचा है, जो अन्य जलाशयों की तुलना में चिंता का विषय बना हुआ है।

फिलहाल पर्याप्त है पानी का भंडार

अपर वैतरणा, मोडक सागर और मध्य वैतरणा को मिलाकर जल भंडार 93.28 फीसदी दर्ज किया गया है। बीते 24 घंटे में जलाशय क्षेत्रों में बारिश नहीं हुई। हालांकि, इस मानसून सीजन में इन क्षेत्रों में अब तक कुल 3,896 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है। मुंबई बीएमसी अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल की तुलना में जल भंडार कम होने के बावजूद फिलहाल मुंबई की जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। मानसून की विदाई के बाद बारिश की गतिविधियां कमजोर होने की स्थिति में जलाशयों के स्तर पर बीएमसी की निगरानी महत्वपूर्ण होगी।

फ्री फायर गेम की आईडी पर हुआ झगड़ा

दोस्त ने चाकू से रेता गला, वाकोला पुलिस ने 3 को दबोचा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के सांताक्रुज पूर्व इलाके में ऑनलाइन गेम फ्री फायर की आईडी को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या करने की कोशिश की गई। इस मामले में वाकोला पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सलमान फारुक शाह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि घटना 30 सितंबर की रात करीब 1:30 बजे की है। सलमान, उसका भाई दिलशाद शाह और उसके दोस्त मोहम्मद सोहेल इशारत अली शाह, समीर कमाल शाह, अस्लम शमशुद्दीन शाह, रवी प्रमोद कुमार साकेत सभी सेंट रॉक चर्च, कुंची कुरवे नगर, कलिना और सांताक्रुज पूर्व की सीढ़ियों पर बैठे थे।



फोन पर शुरू हुई गाली-गलौज और कहासुनी

भूख लगने पर सलमान अपने घर किस्मत नगर, कुर्ला पश्चिम खाने के लिए गया था। इसी दौरान उसके गांव के दोस्त अरबेज शाह ने उसे फोन कर गाली-गलौज और झगड़ा शुरू कर दिया। यह झगड़ा फेसबुक आईडी पर फ्री फायर ऑनलाइन गेम की आईडी को लेकर था। विवाद सुलझाने के लिए फरियादी ने अपने भाई दिलशाद का मोबाइल नंबर अरबेज को दे दिया। कुछ देर बाद फरियादी ने भाई को फोन किया तो उसके दोस्त समीर ने फोन उठाकर बताया कि दिलशाद का गला अरबाज ने चाकू से काट दिया। फरियादी तुरंत कलिना की ओर भागा। रास्ते में उसे एक एंबुलेंस मिली, जिसमें उसका घायल भाई दिलशाद और उसके दोस्त परवेज और अरबाज थे। दिलशाद के गले पर चाकू के वार थे और खून बह रहा था।

आईडी इस्तेमाल करने के शक में रेता गला

परवेज और अरबाज ने बताया कि अरबेज शाह ने इस शक में हमला किया कि सलमान और उसका भाई उसकी फेसबुक आईडी का इस्तेमाल कर ऑनलाइन गेम खेल रहे हैं। गुस्से में आकर दिलशाद के गले पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी अरबेज शाह, मुसाहिद वकील अहमद खान, कौसर अली जमील शाह और अनस सैयद के खिलाफ केस दर्ज किया है।

बिजली हुई गुल, 2 साल के मासूम को उठा ले गया तेंदुआ

फिर नाले के पास मिली लाश

हिंदमाता नेटवर्क @ सातारा

सातारा तालुका स्थित शिवथर के पास न्हाळेवाड़ी गांव से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शनिवार रात बिजली कटते ही घर के आंगन में खेल रहे 2 साल के मासूम बच्चे पर तेंदुए ने खौफनाक हमला कर दिया। तेंदुआ मासूम को अपने जबड़े में दबाकर पास के गन्ने के खेत की ओर भाग गया। जब तक ग्रामीण बच्चे को ढूंढ पाते, तब तक उसकी दर्दनाक मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में भारी दहशत और वन विभाग के खिलाफ जबर्दस्त गुस्सा है। मृतक बच्चे की पहचान 2 वर्षीय जय संदीप खंडागळे के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, शनिवार रात गांव में अचानक बिजली गुल (पावर कट) हो गई थी। इसी दौरान मासूम जय अपने घर के आंगन में खेल रहा था। अंधेरे का फायदा उठाकर झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया और मासूम को उठाकर गन्ने के घने खेतों की तरफ भाग निकला। बच्चे की चीख सुनते ही परिजन और ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर तेंदुए के पीछे दौड़े, लेकिन अंधेरा और गन्ने की घनी फसल होने के कारण शुरूआत में कुछ पता नहीं चल सका।



नाले के पास मिला मासूम का शव, पसरा मातम

ग्रामीणों ने हिम्मत न हारते हुए जमीन पर गिरे खून के निशानों का पीछा करना शुरू किया। काफी तलाश के बाद गांव के पास स्थित एक नाले के करीब मासूम जय का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। मासूम का शव देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में मातम छा गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस और वन विभाग को दी।

वन विभाग पर लापरवाही के गंभीर आरोप, ग्रामीणों की मांग

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इलाके में लंबे समय से तेंदुए की चहलकदमी देखी जा रही थी और इसकी शिकायत कई बार वन विभाग के अधिकारियों से की गई थी, लेकिन प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। ग्रामीणों ने उग्र प्रदर्शन की चेतावनी देते हुए प्रशासन से कुछ मांगें की हैं।

घनी बस्तियों की सफाई पर 136 करोड़

हर साल 136 करोड़ खर्च

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

झोपड़पट्टियों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए मनपा ने 'बृहन्मुंबई स्वच्छता सेवा योजना' लागू करने का फैसला किया है। इस योजना पर हर साल करीब 136 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। स्थायी समिति में योजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। नई योजना के तहत केवल सफाई का काम ही नहीं, बल्कि घर-घर कचरा संग्रहण और आंतरिक गलियों की सफाई की निगरानी भी तकनीक के माध्यम से की जाएगी। इसके लिए जीपीएस आधारित रियल टाइम मॉनिटरिंग और सफाई कार्य से पहले तथा बाद के फोटो अपलोड करना अनिवार्य किया गया है।



क्यूआर कोड से फीडबैक

स्थायी समिति अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे ने घर-घर कचरा संग्रहण की वास्तविक स्थिति जानने के लिए क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था का सुझाव दिया है। इसके तहत प्रत्येक गली के पहले, बीच और आखिरी घर पर क्यूआर कोड लगाया जा सकता है। इन घरों के निवासियों से महीने में एक बार फोटो या वीडियो के साथ फीडबैक लेने का प्रस्ताव है। यदि फीडबैक में कचरा संग्रहण में लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित संस्था के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी। इससे यह भी पता चलेगा कि कचरा संग्रहण कर्मचारी वास्तव में नियमित रूप से घरों तक पहुंच रहे हैं या नहीं।

शिकायतों पर एक दिन में कार्रवाई

कचरा संग्रहण खुले में कचरा फेंकने और सड़क सफाई से जुड़ी शिकायतों के लिए अलग डिजिटल प्रणाली बनाने का सुझाव भी दिया गया है। नागरिक और नगरसेवक सीधे इस प्रणाली के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकेंगे। शिकायतों के निपटारे के लिए एक दिन की समयसीमा तय करने तथा समय पर कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित संस्था पर स्वतः जुमार्ना लगाने का प्रस्ताव है। जुमार्ने की राशि संबंधित संस्था के भुगतान से काटने की व्यवस्था का भी सुझाव दिया गया है।

पुरी-एलटीटी एक्सप्रेस के एससी कोच से आरपीएफ नागपुर में पकड़ा 9 लाख का गांजा

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेल नागपुर मंडल के तहत रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ट्रेन 12146 पुरी-एलटीटी एक्सप्रेस के वातानुकूलित कोच में सफर कर रहे एक यात्री के 2 बैग से कुल 18.15 किग्रा गांजा जब्त किया गया। इसकी कुल कीमत 9,07,500 रुपए आंकी गई। आरोपी यात्री का नाम बलदियामाल, जिला कालाहांडी, उडीसा निवासी धर्मेन्द्र मंजिका मेहर (28) बताया गया। आरपीएफ नागपुर अपराध गुप्तचर शाखा की स्पेशल टीम द्वारा उक्त ट्रेन में गुप्त रूप से गश्त की जा रही थी। जब ट्रेन सालवा से कामठी के बीच से गुजर रही थी तो आरपीएफ सुरक्षाकर्मियों को द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित कोच ए। की बर्थ 48 के नीचे रखे 2 बैग से तीक्ष्ण गंध महसूस हुई। लंबी पूछताछ के बाद उक्त सीट पर बैठे धर्मेन्द्र ने दोनों बैग अपने होना स्वीकार किया। उसने बताया कि वह काटाभाजी से ट्रेन में सवार हुआ और नाशिक जा रहा है।



गांजा मुंबई डिलीवर करना था

इसके बाद ट्रेन के नागपुर स्टेशन के प्लेटफार्म 8 पर धर्मेन्द्र को उसके दोनों बैग के साथ उतारा गया। धान व एनडीपीएस पथक द्वारा जांच के बाद दोनों बैग में कुल 18.15 किग्रा गांजे की पुष्टि की गई। इसकी कुल कीमत 9,07,500 रुपए बताई गई। इसके बाद धर्मेन्द्र को आधिकारिक रूप से गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। टिकट पूछने पर उसने कहा कि वह मोबाइल में रखी ई-टिकट डिलीट कर चुका है लेकिन उसके बताए पीएनआर को टीटीई द्वारा पुष्टि करने पर पता चल गया कि वह अधिकृत टिकट पर नाशिक जा रहा था। वहां से यह माल लेकर मुंबई में डिलीवर करने वाला था। आरपीएफ ने जब्त माल और आरोपी धर्मेन्द्र को आगे की जांच के लिए लोहमार्ग पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

आरपीएफ ने स्पष्ट किया है कि विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा

रेलवे सुरक्षा बल ने स्पष्ट किया है कि ट्रेनों के माध्यम से होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। आगामी त्योहारों के सीजन को देखते हुए नागपुर मंडल से गुजरने वाली सभी प्रमुख ट्रेनों और संवेदनशील स्टेशनों पर सतर्कता बढ़ा दी गई है तथा संदिग्ध यात्रियों व उनके सामान की कड़ी जांच की जा रही है।

एमएमआरडीए ने पूरा किया 565 गांवों का डिजिटल सर्वे

मुंबई 3.0 और 4.0 के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस को सौंपी ईएलयू रिपोर्ट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मुंबई 3.0 और 4.0 के विजन को धरातल पर उतारने के लिए अपनी डिजिटल नींव पूरी तरह तैयार कर ली है। एमएमआरडीए ने महज ढाई महीने के रिकॉर्ड समय में तीन 'एग्जिस्टिंग लैंड यूज' (ईएलयू) रिपोर्ट सफलतापूर्वक तैयार की हैं। इसके साथ ही, लगभग 2,008 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 565 गांवों की मौजूदा भूमि उपयोग, बुनियादी ढांचे और पर्यावरण संसाधनों की डिजिटल मैपिंग का काम भी पूरा कर लिया गया है। जमीनी हकीकत का यह सटीक नक्शा सामने आने के बाद अब मास्टर प्लान बनाने की पूरी कवायद शुरू हो चुकी है, जो भविष्य की एक सुनियोजित और आधुनिक 'नई मुंबई' को आकार देने का मजबूत मार्ग प्रशस्त करेगी।



एमएमआरडीए आयुक्त ने सौंपी मुख्यमंत्री को रिपोर्ट

'इन्वेस्ट महाराष्ट्र' के शुभारंभ पर एमएमआरडीए के महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सौंपी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, आशीष शेलार, जयकुमार रावल, संजय सावकारे और उदय सामंत सहित कई लोग उपस्थित रहे। हवाई कैमरों, लेजर तकनीक और हाई क्वालिटी सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए पूरे इलाके का चप्पा-चप्पा रिकॉर्ड किया गया है। जीपीएस और सरकारी राजस्व रिकॉर्ड के साथ मौके पर जाकर हर जमीन, बस्ती और ढांचे की सच्चाई परखी गई और जमीनी सत्यापन के जरिए बस्तियों, जमीन, बुनियादी ढांचे, प्राकृतिक प्रणालियों और मौजूदा भूमि उपयोग का एक विस्तृत डेटाबेस तैयार किया गया है।

लोगों को घर के पास ही मिलेंगे रोजगार

उद्योग, आईटी, लॉजिस्टिक्स और डेटा सेंटर बनने से युवाओं को नौकरी और काम-धंधे के लिए दूर मुंबई भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्थानीय स्तर पर ही लाखों नए रोजगार पैदा होंगे। नौकरी की जगहों और रेलवे मेट्रो स्टेशनों के नजदीक किफायती घर बनाए जाएंगे, जिससे आम आदमी का अपने घर का सपना आसानी से पूरा हो सकेगा।

हिंदमाता एंकरः पति ने लगाई तलाक की अर्जी, फैमिली कोर्ट से मिला वारंट

धर्मांतरण की आरोपी टीसीएस की निदा खान को झटका

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक में टीसीएस में यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण से जुड़े मामले में आरोपी निदा खान को उनके पति की ओर से दायर तलाक याचिका के बाद फैमिली कोर्ट ने वारंट जारी किया है। अदालत ने निदा खान या उनके वकील को 16 अक्टूबर को उसके पेश होने का निर्देश दिया है। दरअसल, निदा खान के पति ने तलाक देने के लिए फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की है। इसी याचिका पर सुनवाई के लिए अदालत की ओर से 22 अगस्त को निदा खान को वारंट जारी किया गया था। अब उन्हें निर्धारित तारीख पर अदालत में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। यह मामला उस समय सामने आया जब टीसीएस में यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण के आरोपों की जांच शुरू हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। जांच एजेंसी मामले से जुड़े आरोपों, घटनाक्रम और उपलब्ध सबूतों की जांच कर रही है। इस मामले में निदा खान को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। हालांकि बाद में अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी। उनकी गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच आगे बढ़ाई गई और एसआईटी ने अब तक दो आरोपपत्र दाखिल किए हैं।



एसआईटी की जांच जारी

जांच के दौरान एसआईटी ने मामले से जुड़े लोगों के बयान दर्ज करने के साथ दस्तावेजों और अन्य सबूतों की भी जांच की है। अधिकारियों की ओर से पेश किए गए आरोपपत्र में जांच के दौरान सामने आए बिंदुओं को शामिल किया गया है। वहीं, अभी इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। दूसरी ओर, निदा खान के खिलाफ उनके पति की ओर से दायर तलाक याचिका अब अलग से फैमिली कोर्ट में विचाराधीन है। अदालत की ओर से जारी वारंट के बाद 16 अक्टूबर को होने वाली सुनवाई में निदा खान या उनके वकील की मौजूदगी जरूरी है। इस दौरान याचिका पर उनका पक्ष अदालत के सामने रखा जा सकता है।

तलाक याचिका पर होगी सुनवाई

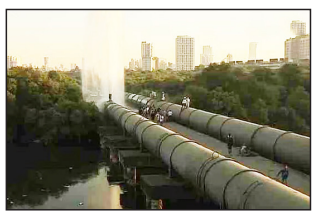
टीसीएस से जुड़े यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण मामले में पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया दोनों आगे बढ़ रही हैं। एक ओर एसआईटी द्वारा दाखिल आरोपपत्र के आधार पर मामले में आगे की सुनवाई होगी, वहीं दूसरी ओर पति की ओर से दायर तलाक याचिका पर पारिवारिक अदालत में सुनवाई होगी। फिलहाल अदालत के सामने तलाक याचिका और टीसीएस मामले की जांच दोनों की कार्रवाई जारी हैं। निदा खान को 16 अक्टूबर को फैमिली कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया गया है। वहीं टीसीएस मामले में एसआईटी द्वारा दाखिल किए गए दोनों आरोपपत्रों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

माहिम खाड़ी में फटी मुख्य जलापूर्ति पाइपलाइन

शहर में पानी कटौती के बीच बर्बाद हुआ हजारों लीटर पानी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के माहीम खाड़ी इलाके में शनिवार को एक प्रमुख जलापूर्ति पाइपलाइन अचानक फट गई। पाइपलाइन फटने के बाद कई फीट ऊंचे पानी के फव्वारे निकलने लगे और हजारों लीटर पानी बहकर बर्बाद हो गया। शहर में पहले से पानी की कटौती के बीच हुई इस घटना ने जल प्रबंधन को लेकर नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है।



कई फीट ऊंचे उठे पानी के फव्वारे

माहीम खाड़ी इलाके में जलाशयों से मुंबई तक पानी पहुंचाने वाली मुख्य पाइपलाइन में अचानक लीकेज हो गया। दबाव के कारण पाइपलाइन से तेज गति से पानी बाहर निकलने लगा। देखते ही देखते पानी के कई फीट ऊंचे फव्वारे दिखाई देने लगे और बड़ी मात्रा में पानी सड़क व आसपास के क्षेत्र में बह गया।

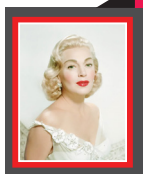
हजारों लीटर पानी हुआ बर्बाद

पाइपलाइन फूटने के बाद काफी देर तक पानी का तेज बहाव जारी रहने की बात सामने आई है। इसके चलते हजारों लीटर पीने का पानी बर्बाद हो गया। पानी की इस बर्बादी को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी और चिंता देखी गई।

पानी कटौती के बीच घटना

मुंबई शहर में इस समय कई इलाकों में पानी की कटौती का असर है। ऐसे में मुख्य जलापूर्ति लाइन से बड़ी मात्रा में पानी का बह जाना गंभीर चिंता का विषय बन गया है। आने वाले समय में जलसंकट की आशंका के बीच पानी की हर बूंद बचाने पर जोर दिया जा रहा है।

विचार प्रवाह



एक सफल आदमी वो है जो अपनी बीवी के खर्चे से ज्यादा कमा सके। एक सफल औरत वो होती है जो ऐसा आदमी खोज सके।

- लाना टर्नर

संपादकीय

एसआईआर के बीच शिक्षा पर संकट

देशभर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। करोड़ों नागरिकों को मतदान के अधिकार से वंचित करने के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने राज्यों के निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां मतदाता सूची में सुधार का काम पूरा हो चुका है, वहां छूटे हुए और नए मतदाताओं को शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। लोकतंत्र की पारदर्शिता के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है, लेकिन इस प्रक्रिया के चलते स्कूली शिक्षा पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में एसआईआर का तीसरा चरण चल रहा है। इस कार्य में बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर के रूप में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके कारण नियमित कक्षाएं प्रभावित हो रही हैं और छात्रों की पढ़ाई का नुकसान हो रहा है। कर्नाटक में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के विद्यार्थी मध्यावधि परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। इसकी प्रमुख वजह पिछले तीन महीनों से शिक्षकों का एसआईआर कार्य में व्यस्त रहना है। महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से भी ऐसी ही खबरें सामने आई हैं। शिक्षकों का काफी समय मतदाता सत्यापन, बैठकों और आंकड़े जुटाने में खर्च हो रहा है। मुंबई के एक स्कूल में 34 में से 24 शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं। ऐसे में सहज ही समझा जा सकता है कि विद्यार्थियों की पढ़ाई किस हद तक प्रभावित हो रही होगी। जब स्कूलों में शिक्षक ही उपलब्ध नहीं होंगे, तो शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखना मुश्किल हो जाएगा। इसका सीधा असर विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन और उनके भविष्य पर पड़ सकता है। देश के सरकारी स्कूल पहले ही शिक्षकों की कमी और शिक्षा की गिरती गुणवत्ता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहे हैं। पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में विद्यार्थियों के दाखिले और पढ़ाई दोनों प्रभावित हो रहे हैं। देश में करीब एक लाख स्कूल ऐसे हैं, जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। ऐसे में अतिरिक्त प्रशासनिक जिम्मेदारियां शिक्षा व्यवस्था की मुश्किलें और बढ़ा रही हैं। सवाल यह है कि क्या चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करते समय विद्यार्थियों की पढ़ाई को बाधित होने से बचाने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा सकती? शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 27 के अनुसार शिक्षकों को पढ़ाई से इतर अन्य कार्यों में नहीं लगाया जाना चाहिए। हालांकि, चुनाव प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों जैसी विशेष परिस्थितियों में इसकी अनुमति दी गई है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि शिक्षकों पर असहनीय बोझ डाल दिया जाए। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी हाल ही में इस बात पर जोर दिया है कि एसआईआर का काम शिक्षकों के लिए अत्यधिक बोझ नहीं बनना चाहिए। अदालत ने इस स्थिति में तत्काल सुधार को प्राथमिकता देने की बात कही है। यह टिप्पणी शिक्षा और चुनावी प्रक्रिया के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता को रेखांकित करती है। एसआईआर के कारण पिछले महीनों में विद्यार्थियों की पढ़ाई का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए। शिक्षकों के नियमित रूप से कक्षाओं में लौटने के बाद अतिरिक्त कक्षाएं, विशेष अध्ययन सत्र और अन्य शैक्षणिक उपाय अपनाए जा सकते हैं। साथ ही, भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए चुनाव आयोग और राज्य सरकारों को वैकल्पिक कर्मचारियों की उपलब्धता पर भी विचार करना चाहिए, ताकि शिक्षकों की नियमित शैक्षणिक जिम्मेदारियां प्रभावित न हों। मतदाता सूची की विश्वसनीयता बनाए रखना लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य है। वहीं, शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करना भी सरकार और प्रशासन की उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। दोनों में से किसी एक को दूसरे की कीमत पर प्राथमिकता देना उचित नहीं होगा। चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के साथ ही यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विद्यार्थियों का भविष्य प्रशासनिक व्यस्तताओं की भेंट न चढ़े। आखिरकार, लोकतंत्र की मजबूती केवल निष्पक्ष चुनाव से नहीं, बल्कि शिक्षित और जागरूक नागरिकों के निर्माण से भी होती है। इसलिए एसआईआर और शिक्षा के बीच ऐसा संतुलन कायम करना होगा, जिसमें न मतदाता सूची की शुद्धता प्रभावित हो और न ही बच्चों की पढ़ाई बाधित हो।

आज का इतिहास



■ 1793 - फ्रांसीसी क्रांति के दौरान फ्रांस में ईसाई धर्म विस्थापित हुआ।
■ 1796 - स्पेन ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
■ 1805 - भारत में ब्रिटिश राज के दूसरे गवर्नर जनरल व कमांडर इन चीफ लार्ड कार्नवालिस का गाजीपुर में निधन।
■ 1864 - कलकत्ता शहर में चक्रवात से लगभग 50,000 लोगों की मौत।
■ 1915 - बुल्गारिया ने प्रथम विश्व युद्ध में हिस्सा लिया।
■ 1946 - पहले कान फिल्म समारोह का समापन।
■ 1948 - तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्काबात में भूकंप से 110,000 लोगों की मौत।
■ 1962 - जेम्स बॉन्ड सीरीज की पहली फिल्म 'डॉ. नो' रिलीज हुई।
■ 1988 - ब्राजील की संविधान सभा ने संविधान को मंजूरी दी।
■ 1989 - न्यायमूर्ति मीरा साहिब फातिमा बीबी सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज बनी।
■ 1995 - आयरलैंड के कवि एवं साहित्यकार हीनी को वर्ष 1995 के साहित्य पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा।
■ 1997 - राजधानी कम्पाला से नील नदी को स्रोत जिन्जा में प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल ने महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया, भारतीय टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस तथा महेश भूपति ने जिम कूरियर तथा एलेक्स ओ ब्रायन को पराजित कर 'चाईना ओपन टेनिस टूर्नामेंट' का खिताब जीता।
■ 1999 - भारत ने व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर होने वाली विशेष बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया।
■ 2000 - यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति मिलोसेविच के खिलाफ विद्रोह।
■ 2001 - पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने सेनाध्यक्ष पद पर अपना कार्यकाल अनिश्चित काल के लिए बढ़ाया।
■ 2004 - पश्चिम एशिया पर अरब देशों के प्रस्ताव का अमेरिका ने विरोध किया।
■ 2005 - खुशमिजाजी में भारत चौथे नंबर पर।
■ 2007 - नेपाल सरकार और माओवादियों के बीच समझौता न हो पाने के कारण संविधान सभा के लिए चुनाव रद्द हुआ। परवेज मुशर्रफ व बेनजीर भुट्टो के बीच समझौता हुआ।
■ 2008- केन्द्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार 'सेतु समुंद्रम परियोजना' के लिए दूसरी जगहों का परीक्षण शुरू किया।

खाद्य सुरक्षा से खिलवाड़, जिम्मेदार कौन?

नामी ब्रांड पर भी सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता और लोगों की सेहत के बीच सीधा संबंध है। ऐसे में जब देश की जानी-मानी कंपनियों के उत्पाद भी गुणवत्ता के मानकों पर खरे नहीं उतरते, तो खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने नेस्ले के दूध से बने उत्पाद डेरी व्हाइटनर के एक नमूने को घटिया गुणवत्ता का पाए जाने के बाद उसकी बिक्री, वितरण और भंडारण पर रोक लगाई। यह कार्रवाई बताती है कि बड़े ब्रांड भी गुणवत्ता संबंधी मानकों की अनदेखी कर सकते हैं। ऐसे मामलों में केवल उत्पाद पर रोक लगाना पर्याप्त नहीं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो।

पांच सितारा होटल तक पहुंची खराब सामग्री

इस मामले का एक और गंभीर पहलू यह है कि डेरी व्हाइटनर का नमूना दिल्ली के एक पांच सितारा होटल से लिया गया था। आमतौर पर ऐसे होटलों में इस्तेमाल होने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर अधिक सतर्कता की अपेक्षा की जाती है। इसके बावजूद वहां घटिया उत्पाद का मिलना इस बात का संकेत है कि आपूर्ति व्यवस्था में कहीं न कहीं गंभीर खामियां हैं। जब प्रतिष्ठित होटलों तक खराब गुणवत्ता वाली सामग्री पहुंच सकती है, तो आम बाजारों और छोटे प्रतिष्ठानों की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि खाद्य सुरक्षा की निगरानी केवल उत्पादन केंद्रों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि भंडारण, वितरण और बिक्री के हर स्तर पर प्रभावी जांच जरूरी है।

निगरानी तंत्र की कमजोरियां

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी केवल केंद्रीय प्राधिकरण की नहीं, बल्कि राज्यों के खाद्य एवं औषधि प्रशासन की भी है। इसके बावजूद कई राज्यों में घटिया, मिलावटी और नकली उत्पादों के निर्माण तथा बिक्री पर अपेक्षित सख्ती दिखाई नहीं देती। नियमित जांच, नमूनों की वैज्ञानिक पड़ताल और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई किसी भी प्रभावी निगरानी व्यवस्था के बुनियादी आधार हैं। यदि इन प्रक्रियाओं में ढिलाई बरती जाती है, तो नियमों का उल्लंघन करने वालों के हौसले बढ़ते हैं। खाद्य सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर सरकारी विभागों की निष्क्रियता को सामान्य प्रशासनिक कमजोरी मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

तुकाराम मुंढे की कार्यशैली से सबक

महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंढे मिलावटी, घटिया और नकली उत्पादों के खिलाफ जिस तरह सख्ती दिखा रहे हैं, वह दूसरे राज्यों के अधिकारियों के लिए भी एक उदाहरण हो सकता है। सवाल यह है कि अन्य राज्यों में उनके समकक्ष अधिकारी इसी तरह सक्रियता क्यों नहीं दिखा पा रहे हैं? वास्तव में, खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में केवल नियम और कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इच्छाशक्ति, जवाबदेही और नियमित निगरानी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक राज्य में ऐसे अधिकारी होने चाहिए, जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बिना किसी दबाव के कार्रवाई कर सकें। इसके लिए विभागों में पर्याप्त कर्मचारियों और आधुनिक जांच सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी होगी।

दवाओं की गुणवत्ता भी चिंता का विषय

खाद्य पदार्थों की तरह दवाओं की गुणवत्ता को लेकर भी देश में गंभीर चिंताएं हैं। घटिया और नकली दवाओं का निर्माण तथा उनकी बिक्री मरीजों के जीवन के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। जिस तरह खराब खाद्य सामग्री से लोगों की सेहत प्रभावित होती है, उसी तरह प्रभावहीन या नकली दवाएं बीमारी के उपचार में बाधा बनती हैं और कई बार गंभीर परिणाम पैदा कर सकती हैं। दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की है। ऐसे में खाद्य पदार्थों और औषधियों की गुणवत्ता से जुड़े दोनों नियामक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय और जवाबदेही आवश्यक है। स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों में किसी भी तरह की लापरवाही को केवल व्यावसायिक चूक मानना उचित नहीं होगा।

केंद्र सरकार को दिखानी होगी सक्रियता

एफएसएसएआई और सीडीएससीओ, दोनों ही केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन आते हैं। इसलिए मंत्रालय की जिम्मेदारी है कि वह इन संस्थाओं के कामकाज की नियमित समीक्षा करे और राज्यों के साथ समन्वय बढ़ाए। खाद्य एवं औषधि प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिए कि गुणवत्ता मानकों के उल्लंघन पर किसी भी स्तर पर समझौता न हो। इसके साथ ही जांच प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने की जरूरत है। नमूनों की जांच में देरी, कमजोर कार्रवाई और दोषियों को दंडित करने में लापरवाही जैसी समस्याओं को दूर करना होगा। उपभोक्ताओं को भी उत्पादों की गुणवत्ता से संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए सरल और प्रभावी व्यवस्था उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

लापरवाही पर कठोर दंड जरूरी

खाद्य पदार्थों और दवाओं के कारोबार में मुनाफा कमाने की होड़ के बीच गुणवत्ता से समझौता किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। कंपनियों को यह समझना होगा कि उनके उत्पाद केवल बाजार में बिकने वाली वस्तुएं नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े हैं। यदि कोई कंपनी जानबूझकर घटिया या नकली उत्पाद बनाती और बेचती है, तो उसके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। केवल चेतावनी या अस्थायी प्रतिबंध से समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सकता। दोषियों की जवाबदेही तय करने के साथ ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें नियमों का उल्लंघन करने पर बच निकलने की गुंजाइश न रहे।

स्वास्थ्य सुरक्षा से समझौता नहीं

खाद्य सुरक्षा और दवाओं की गुणवत्ता किसी भी स्वस्थ समाज की बुनियादी जरूरत हैं। सरकार की प्राथमिकता केवल उत्पादों की उपलब्धता और बाजार के विस्तार तक सीमित नहीं हो सकती। नागरिकों को सुरक्षित खाद्य सामग्री और प्रभावी दवाएं उपलब्ध कराना भी उसकी अहम जिम्मेदारी है। नेस्ले के डेरी व्हाइटनर का मामला इस बात की याद दिलाता है कि प्रतिष्ठित ब्रांड और बड़े प्रतिष्ठान भी सख्त निगरानी से मुक्त नहीं हो सकते। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जिसमें केंद्रीय और राज्य स्तर के सभी संबंधित विभाग पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करें। आखिरकार, लोगों की सेहत से बड़ा कोई व्यावसायिक हित नहीं हो सकता। जब तक इस सिद्धांत को प्रशासन और उद्योग दोनों अपनी कार्यशैली का आधार नहीं बनाएंगे, तब तक खाद्य सुरक्षा और औषधियों की गुणवत्ता से जुड़ी चुनौतियां बनी रहेंगी।

प्रेरक प्रसंग

जैसे को तैसा



एक स्थान पर जीर्णधन नाम का एक बनिये का लड़का रहता था। उसके घर में अधिक धन-संपत्ति नहीं थी। एक दिन उसने धन कमाने के लिए परदेश जाने का निश्चय किया। उसके पास एक मन भारी लोहे की तराजू थी। उसने उस तराजू को एक महाजन के पास धरोहर के रूप में रख दिया और विदेश चला गया। कई वर्षों बाद जब वह वापस लौटा, तो उसने महाजन से अपनी तराजू मांगी। महाजन की नीयत खराब हो गई थी। वह तराजू लौटाना नहीं चाहता था। उसने बहाना बनाते हुए कहा, "तुम्हारी तराजू को चूहे खा गए। अब मैं उसे कहां से लाऊं?" जीर्णधन समझ गया कि महाजन धोखा दे रहा है। लेकिन उसने क्रोध करने के बजाय शांत स्वर में कहा, "कोई बात नहीं। अगर चूहे तराजू खा गए, तो इसमें तुम्हारा क्या दोष?" कुछ देर बाद जीर्णधन ने महाजन से कहा, "मित्र, मैं नदी में स्नान करने जा रहा हूं। अपने बेटे धनदेव को भी मेरे साथ भेज दो। वह भी स्नान कर आएगा।" महाजन उसकी सज्जनता से प्रभावित था। उसने अपने बेटे को उसके साथ भेज दिया। जीर्णधन धनदेव को एक सुनसान स्थान पर ले गया और वहां एक गुफा में बंद कर दिया। फिर गुफा के द्वार पर एक भारी पत्थर रखकर वह अकेला लौट आया। महाजन ने अपने बेटे के बारे में पूछा, तो जीर्णधन बोला, "मित्र, तुम्हारे बेटे को एक चील उठाकर ले गई।" यह सुनकर महाजन गुस्से से चिल्लाया, "यह कैसे हो सकता है? क्या चील इतने बड़े बच्चे को उठा सकती है?" जीर्णधन ने शांतिपूर्वक जवाब दिया, "यदि चूहे एक मन भारी लोहे की तराजू खा सकते हैं, तो चील भी एक बच्चे को उठा सकती है। अगर तुम्हें अपना बेटा वापस चाहिए, तो मेरी तराजू लौटा दो।" दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और वे न्याय पाने के लिए राजदरबार पहुंच गए। महाजन ने राजा के न्यायाधिकारी से शिकायत की कि जीर्णधन ने उसके बेटे को छिपा लिया है।

■ न्यायाधिकारी ने जीर्णधन से पूछा, "तुम महाजन के बेटे को वापस क्यों नहीं कर देते?" जीर्णधन ने पूरी घटना सुनाई और बताया कि किस तरह महाजन ने उसकी तराजू हड़पने के लिए चूहों द्वारा उसे खा जाने का झूठा बहाना बनाया था। सच्चाई जानकर न्यायाधिकारी ने महाजन को उसकी तराजू लौटाने का आदेश दिया। इसके बाद जीर्णधन ने महाजन के बेटे को भी सुरक्षित वापस कर दिया। सीख: जैसे को तैसा।

राशिफल

मेष- कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें। व्यापार में कोई भी जोखिमभरा निवेश न करें, गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। लव पार्टनर के साथ गलतफहमी हो सकती है, वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक अप्रत्याशित खर्च बजट बिगाड़ सकते हैं। जोड़ों या पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

वृषभ-व्यापार विस्तार के लिए दिन उत्तम है, नए अनुबंध हो सकते हैं। लव पार्टनर के साथ रिश्ते बेहद मधुर रहेंगे, कोई सरप्राइज मिल सकता है। धन प्राप्ति के अच्छे योग हैं, रुका हुआ पैसा मिल सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, दिनचर्या नियमित रखें।

मिथुन- ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी, पुरानी समस्याएं हल होंगी। लव लाइफ सामान्य रहेगी, व्यर्थ के तर्कों से बचें। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें, सोच-समझकर खर्च करें। मौसम से जुड़ी बीमारियां परेशान कर सकती हैं, ध्यान रखें।

कर्क- व्यापार में नए विचारों से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रेम संबंधों के लिए दिन बहुत रोमांटिक रहेगा, पार्टनर का सहयोग मिलेगा। अचानक धन लाभ के योग हैं, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, मानसिक शांति बनी रहेगी।

सिंह- प्रॉपर्टी, वाहन या निर्माण सामग्री के कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा। परिवार और लव पार्टनर के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। घरेलू सुख-सुविधाओं पर खर्च हो सकता है। माता की सेहत का ध्यान रखें, स्वयं भी पर्याप्त आराम लें।

कन्या- व्यापारिक यात्राएं सफल होंगी, मार्केटिंग से बड़ा फायदा होगा। लव पार्टनर के साथ संबंध प्रगाढ़ होंगे, साथ में घूमने का प्लान बन सकता है। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी, नए आय स्रोत बन सकते हैं। शारीरिक रूप से सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला-फैशन, कला और खानपान के व्यवसायियों को बड़ा मुनाफा होगा। लव पार्टनर के साथ मधुरता बढ़ेगी, कोई प्रिय उपहार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी, बचत बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, वाणी में मिठास बनाए रखें।

वृश्चिक- कार्यक्षेत्र और व्यापार में आपके निर्णयों की सराहना होगी। लव लाइफ बेहद सुखद रहेगी, आपसी विश्वास गहरा होगा। धन आवक के रास्ते साफ होंगे, नया निवेश लाभदायक रहेगा। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा।

धनु- विदेश या दूरस्थ स्थानों से जुड़ा व्यापार लाभ देगा। लव पार्टनर को समझने की कोशिश करें, संवादहीनता से बचें। खर्चों पर सख्त नियंत्रण रखना होगा, उधारी न दें। आंखों में जलन या नींद की कमी हो सकती है, विश्राम करें। मेहनत का फल मिलेगा।

मकर- पुराने संपर्कों से बड़ा मुनाफा होगा, नए क्लाइंट्स जुड़ेंगे। लव पार्टनर के साथ खुशनुमा पल बिताएंगे, रिश्ते मजबूत होंगे। आर्थिक पक्ष बहुत मजबूत रहेगा, रुका हुआ धन वापस मिलेगा। सेहत बेहतरीन रहेगी, मन में उत्साह बना रहेगा।

कुंभ- व्यापारिक विस्तार की योजनाएं योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। जीवनसाथी और लव पार्टनर का हर कदम पर साथ मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, संचित धन में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, दिनभर फुर्ती बनी रहेगी। अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मीन-धार्मिक कार्यों और यात्राओं के योग हैं। व्यापार में मुनाफा बढ़ेगा, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। लव लाइफ में नयापन और प्रगाढ़ता आएगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, भाग्य के बल पर धन मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, योग और ध्यान जारी रखें।

अप्रत्याशित मौसम खतरे की घंटी

अल नीनो का बढ़ता प्रभाव

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



इस वर्ष की शुरूआत में ही मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी थी कि दुनिया के बड़े हिस्से पर अल नीनो का प्रभाव देखने को मिलेगा। प्रशांत महासागर में होने वाली यह प्राकृतिक जलवायु घटना पूरी दुनिया के मौसम को प्रभावित करती है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इसका असर अगले वर्ष की शुरूआत तक बना रह सकता है। धरती का तापमान लगातार बढ़ने के कारण अल नीनो का प्रभाव और गंभीर होता जा रहा है। इसके चलते कहीं असामान्य गर्मी और कहीं कड़ाके की ठंड पड़ती है, तो कहीं सूखे की स्थिति बनती है और कहीं अत्यधिक बारिश होती है। इस बार भारत भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं रहा। देश के कई हिस्सों में कम बारिश के कारण सूखे जैसे हालात बने, जबकि कुछ क्षेत्रों में जरूरत से ज्यादा वर्षा ने तबाही मचाई।

कृषि पर मौसम की मार

भारत की कृषि व्यवस्था काफी हद तक मानसून और मौसम के चक्र पर निर्भर है। कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों का देश की जीडीपी में लगभग 15 से 18 प्रतिशत योगदान है, जबकि करीब 50 प्रतिशत आबादी की आजीविका इसी पर निर्भर करती है। ऐसे में बारिश का असंतुलन केवल किसानों की समस्या नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। इस वर्ष देश में सामान्य से 12 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। पिछले 25 वर्षों में यह चौथा अवसर है, जब इतनी कम वर्षा हुई है। दूसरी ओर, कुछ इलाकों में अत्यधिक बारिश से फसलों को नुकसान पहुंचा है। इस दोहरी मार से कृषि उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

बाढ़ और आपदाओं का बढ़ता खतरा

बीते दिनों बंगाल की खाड़ी में बने दबाव के कारण उत्तर भारत के कई राज्यों में कम समय में भारी बारिश हुई। इससे कई स्थानों पर बाढ़ आई, फसलें बर्बाद हुईं और लोगों की जान भी गई। पर्वतीय राज्यों में भी अत्यधिक वर्षा ने जनजीवन को प्रभावित किया। इससे पहले तिब्बत में ग्लेशियर फटने के बाद नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी, जिसमें हजारों लोगों की जान गई। ऐसी घटनाएं संकेत देती हैं कि मौसम का असामान्य व्यवहार अब केवल मौसमी उतार-चढ़ाव तक सीमित नहीं रह गया है। इसकी तीव्रता और व्यापकता मानव जीवन, कृषि और प्राकृतिक संसाधनों के लिए गंभीर संकट बनती जा रही है।

प्रकृति के दोहन का दुष्परिणाम

मौसम में तेजी से हो रहे बदलाव के पीछे प्राकृतिक कारणों के साथ मानवीय गतिविधियों की भी बड़ी भूमिका है। पिछले चार-पांच दशकों में औद्योगीकरण, शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ा है। उस दौर में उद्योगों का तेजी से विस्तार हुआ, लेकिन प्रदूषण रोकने वाली तकनीकें पर्याप्त विकसित नहीं थीं। उस समय शायद यह अनुमान भी नहीं था कि प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित दोहन भविष्य में कितने गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा करेगा। आज जब वैज्ञानिक इसके दुष्परिणामों को लेकर लगातार चेतावनी दे रहे हैं, तब भी विकास के नाम पर प्रकृति का शोषण जारी है। यह विरोधाभास बताता है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने में दुनिया अब तक सफल नहीं हो पाई है।

जलवायु सम्मेलनों तक सीमित प्रयास

धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन आयोजित किए गए। इनमें पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कटौती और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को लेकर सहमति भी बनी, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए। कई विकसित देश पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी उठाने से बचते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जलवायु परिवर्तन की गंभीरता पर सवाल उठाते रहे हैं। उनके नेतृत्व में अमेरिका ने फरवरी 2027 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन से पूरी तरह बाहर होने की घोषणा की है। दूसरी ओर, चीन ने औद्योगिक विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया है और यह सिलसिला अब भी जारी है। विडंबना यह है कि विकसित देश विकासशील देशों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक प्रयास करने की अपेक्षा तो करते हैं, लेकिन उन्हें जरूरी तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने में पर्याप्त सहयोग नहीं देते।

विकासशील भारत के सामने चुनौती

भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। विकासशील अर्थव्यवस्था होने के कारण यहां जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अधिक व्यापक रूप से महसूस किया जा सकता है। विशेष रूप से किसान, मजदूर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग मौसम की अनिश्चितता से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। कभी सूखा उनकी आजीविका छीन लेता है, तो कभी बाढ़ और बेमौसम बारिश उनकी मेहनत पर पानी फेर देती है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, रोजगार और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा विषय भी है। सरकारों को अब पर्यावरण संरक्षण को विकास योजनाओं का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा। साथ ही, आम नागरिकों को भी यह समझाना जरूरी है कि प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक उपभोग और प्रदूषण बढ़ाने वाली गतिविधियां भविष्य के लिए कितना बड़ा खतरा पैदा कर रही हैं।

प्रदूषण से घट सकती है पैदावार

पर्यावरण प्रदूषण का प्रभाव केवल हवा और पानी की गुणवत्ता तक सीमित नहीं है। इसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर भी पड़ सकता है। कुछ अध्ययनों के अनुसार, यदि सर्दियों के दौरान उत्तर भारत में प्रदूषण का स्तर कम नहीं हुआ, तो फसलों की पैदावार प्रभावित होने की आशंका है। अधिक प्रदूषण के कारण वातावरण में धुंध और प्रदूषक कणों की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे सूर्य की रोशनी धरती तक कम पहुंचती है। इसका असर फसलों की वृद्धि पर पड़ सकता है। चिंता की बात यह है कि प्रदूषण रोकने के लिए कई तकनीकें उपलब्ध होने के बावजूद उनका समुचित इस्तेमाल नहीं हो रहा है। फसल अवशेष जलाना, कूड़ा जलाना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों का इस्तेमाल इस समस्या को और गंभीर बनाते हैं।

सरकार के साथ समाज की भी जिम्मेदारी

प्रदूषण नियंत्रण के लिए केवल सरकारी योजनाओं और कानूनों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। कई औद्योगिक समूह आज भी प्रदूषण रोकने वाली तकनीकों को अपनाने से बचते हैं, जबकि ऐसी तकनीकें पहले की तुलना में सस्ती और अधिक सुलभ हो गई हैं। हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित करने वाली गतिविधियों पर सख्त निगरानी और प्रभावी कार्रवाई जरूरी है। इसके साथ ही नागरिकों को भी अपनी आदतों में बदलाव लाना होगा। कचरे का उचित निपटान, वाहनों का जिम्मेदारी से उपयोग, ऊर्जा की बचत और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल सामूहिक प्रयासों का हिस्सा बनना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी अभियान मानने के बजाय सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना होगा।

राम मंदिर चंदा चोरों पर सरकार मेहरबान क्यों, पीएम मोदी की चुप्पी कब टूटेगी? : जयराम रमेश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि राम मंदिर न्यास के पूर्व महासचिव चंपत राय जैसे लोगों को राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच में बचाया जा रहा है। कांग्रेस साथ ही इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता का अहंकार आत्मघाती होता है। विपक्षी पार्टी ने यह भी पूछा कि चोरी की गई रकम से संबंधित एक वीडियो 4 जून को राय तक पहुंचने के बाद FIR दर्ज करने में 21 दिनों की देरी क्यों हुई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पूछा कि क्या जांच का उद्देश्य केवल छोटे-मोटे चोरों को पकड़ना था, या उन लोगों की जवाबदेही तय करना भी था जिनकी निगरानी और संरक्षण में ये घटनाएं हुईं। जयराम रमेश ने एक्स पर हिंदी में किए गए एक पोस्ट में कहा कि चंदा चोरी, आस्था धोखा भगवान श्रीराम के अयोध्या मंदिर के चढ़ावा चोरों पर मोदी सरकार इतनी मेहरबान क्यों है? मोदी जी, विपक्षी नेताओं के खिलाफ तो सरकार ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करने में नहीं झिझकती है, लेकिन अयोध्या के राम मंदिर में 105 बार चढ़ावा चोरी की घटनाएं सीसीटीवी में सामने आने के बाद जांच उन लोगों तक क्यों नहीं पहुंची जिन पर व्यवस्था की जिम्मेदारी के बावजूद चढ़ावा चोरों को संरक्षण देने का शक है? उन्होंने पूछा कि चोरी की 105 घटनाओं के बदले केवल 79.85 लाख की रकम बरामद करके मामला रफा दफा करने का प्रयास क्यों हो रहा है?



चंपत राय और अनिल मिश्रा आरोपी क्यों नहीं?

जयराम रमेश ने कहा कि चंपत राय और अनिल मिश्रा आरोपी क्यों नहीं, गवाह कैसे हैं। आखिर क्यों? हमारा सवाल सीधा और साफ है कि जब चार जून को चोरी की रकम का वीडियो चंपत राय तक पहुंच गया था, 5 जून को सीसीटीवी देख लिया गया और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज हुई। इन 21 दिनों की देरी का पूरा सच देश के सामने क्यों नहीं रखा गया? रमेश ने पूछा कि यह सवाल इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में घटनाएं बिना उच्च स्तर पर मिलीभगत, लापरवाही या संरक्षण के कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि 105 घटनाओं के बावजूद आरोपी सिर्फ 8 कैसे हो सकते हैं?

क्या जांच का मकसद छोटे चोरों को पकड़ना

कांग्रेस नेता ने पूछा कि क्या जांच का मकसद सिर्फ छोटे चढ़ावा चोरों को पकड़ना था या उन लोगों की भी जवाबदेही तय करना था जिनकी शह और निगरानी में यह सब होता रहा? इसीलिए कांग्रेस शुरू से ही सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र, निष्पक्ष और भरोसेमंद जांच की मांग कर रही है। चढ़ावा राम के नाम पर आया था, ऐसे में 105 घटनाओं के बावजूद अगर यह पता ही नहीं चलता कि कुल कितना चढ़ावा चोरी हुआ, तो जांच को समाप्त करने की इतनी जल्दी क्यों? जयराम रमेश ने कहा कि देश को जवाब चाहिए। क्या मोदी सरकार चढ़ावा चोरों तक पहुंचना चाहती है, या उन सवालों को यहीं खत्म करना चाहती है जो बड़े जिम्मेदार लोगों तक पहुंच सकते हैं?

पीएम मोदी चुप्पी कब तोड़ेंगे : जयराम रमेश

जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री जी, देशवासियों की आस्था से जुड़े इस मामले पर आप चुप्पी कब तोड़ेंगे? याद रहे, सत्ता का अहंकार आत्मघाती होता है। अब देश जवाब चाहता है कि चढ़ावा चोरी की जवाबदेही कब तय होगी। कांग्रेस ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की एसआईटी की ओर से की जा रही जांच को लेकर कई सवाल उठाए हैं और कहा है कि केवल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच ही सच्चाई सामने ला सकती है। विपक्षी दल ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे यह संकेत मिलता है कि चोरों को उनका संरक्षण प्राप्त है।

जंतर-मंतर पर महिला पत्रकार से बदसलूकी के आरोप

राहुल गांधी ने अमित शाह से मांगा जवाब

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। यह मांग एक महिला पत्रकार के उस आरोप के बाद सामने आई है, जिसमें उसने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी पर यौन दुर्व्यवहार और गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया है। जंतर-मंतर पर विपक्षी दलों और अन्य संगठनों की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा था। विपक्ष ने एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं और बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए वोट हटाने के आरोप लगाए हैं।



पुलिस पर महिलाओं और पत्रकारों से बदसलूकी का आरोप

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि शनिवार को जंतर-मंतर पर सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने महिलाओं के साथ बदसलूकी, कैमरे छीने जाने और पत्रकारों को खींचे जाने का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में महिलाएं और छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली पुलिस पर ही उनके खिलाफ कार्रवाई करने के आरोप लग रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है और अमित शाह को इस मामले पर जवाब देना चाहिए।

राहुल गांधी ने अमित शाह से मांगा जवाब

राहुल गांधी ने हिंदी में सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है, इसलिए अमित शाह को इस मामले पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक महिला पत्रकार ने जंतर-मंतर पर एक पुलिस अधिकारी पर बदसलूकी का आरोप लगाया है। राहुल गांधी के मुताबिक, सैकड़ों पत्रकार कई घंटों से एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि एफआईआर दर्ज करना पुलिस की बुनियादी जिम्मेदारी है, फिर भी शिकायत दर्ज क्यों नहीं की गई।

सीजेपी और AISA ने भी लगाए आरोप

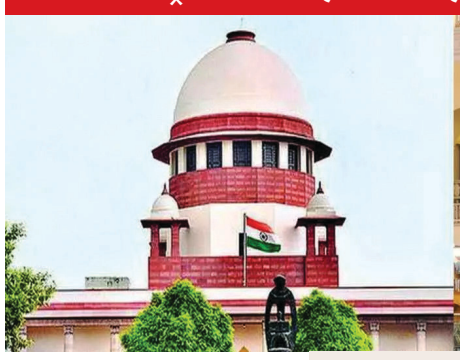
सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने भी एक महिला पत्रकार के साथ कथित बदसलूकी का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ACP विवेक भगत ने महिला पत्रकार के साथ अनुचित व्यवहार किया और उसे गलत तरीके से छुआ। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने दावा किया कि महिला पत्रकार ने शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन उसकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। उन्होंने मामले में एफआईआर दर्ज करने और संबंधित पुलिस अधिकारी को निलंबित करने की मांग की। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस खबर में उपलब्ध जानकारी के आधार पर नहीं हुई है।

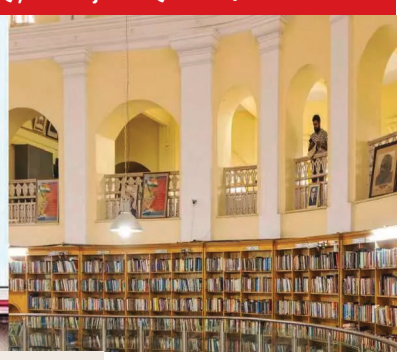
AISA ने भी पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

वामपंथी छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने भी पुलिस पर महिला प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों और वकीलों के साथ कथित बदसलूकी का आरोप लगाया। AISA ने दावा किया कि कई महिलाओं ने पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा गलत तरीके से छूने की शिकायत की है। संगठन ने पुलिस पर महिलाओं के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार करने और भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान जरूरी नियमों का पालन नहीं करने का आरोप लगाया।

सेंट्रल लाइब्रेरी पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

सेंट्रल विस्टा में नहीं मिली जगह, जानिए क्या है विवाद?





हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली की 135 साल पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी (CSL) को को मौजूदा जगह से हटाकर कहीं और ले जाने की तैयारी चल रही है। लेकिन चिंता इस बात को लेकर है कि नए सेंट्रल विस्टा प्लान में इस लाइब्रेरी के लिए कोई स्पष्ट जगह दिखाई नहीं दे रही है। अब इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया है। मामले की सुनवाई सोमवार को जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच करेगी। इस ऐतिहासिक लाइब्रेरी में 8.5 लाख से ज्यादा किताबें और महत्वपूर्ण दस्तावेज मौजूद हैं।

नई जगह की तलाश, लेकिन अब तक तस्वीर साफ नहीं

रिपोर्टों के मुताबिक, लाइब्रेरी को मौजूदा जगह से हटाकर कहीं और ले जाने की तैयारी चल रही है। हालांकि, उसके लिए उपयुक्त जगह अभी तक तय नहीं हो पाई है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) नई जगह तलाश रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में किताबों और रेकॉर्ड को सुरक्षित तरीके से रखने के लिए जगह का पर्याप्त होना सबसे बड़ी चुनौती है।

लाखों किताबें सिर्फ किताबें नहीं, इतिहास का खजाना हैं

सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी की उम्र करीब 135 साल है। इतने लंबे समय में यहां किताबों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और संदर्भ सामग्री जमा हुई है। ऐसे में इसे सिर्फ एक सामान्य लाइब्रेरी की तरह दूसरी जगह ले जाना आसान काम नहीं माना जा रहा। किताबों को सुरक्षित रखना, उनका रेकॉर्ड बनाए रखना और पाठकों की पहुंच बरकरार रखना भी बड़ी जिम्मेदारी होगी।

सेंट्रल विस्टा में जगह क्यों नहीं मिली?

सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत दिल्ली के सरकारी भवनों और दफ्तरों के इलाके को नए सिरे से विकसित किया जा रहा है। इसी बदलाव के बीच CSL के भविष्य को लेकर सवाल उठे हैं। खास चिंता यह है कि इतनी पुरानी और महत्वपूर्ण लाइब्रेरी को नई योजना में उचित स्थान क्यों नहीं मिल पाया और अगर इसे हटाया जाता है तो इसकी नई व्यवस्था कैसी होगी।

सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान से बढ़ी उम्मीद

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर यह साफ कर दिया है कि लाइब्रेरी के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब सोमवार की सुनवाई में अदालत के सामने लाइब्रेरी की मौजूदा स्थिति, संभावित स्थानांतरण और इसके लिए की जा रही व्यवस्थाओं से जुड़े मुद्दे आ सकते हैं। लाखों किताबों से जुड़ा यह मामला अब अदालत की निगरानी में पहुंच गया है।

किताबों और विरासत का क्या होगा?

CSL को लेकर असली चिंता सिर्फ इमारत की नहीं, बल्कि उस ज्ञान और विरासत की है जो इन लाखों किताबों में सुरक्षित है। नई जगह तलाशते समय यह देखना होगा कि लाइब्रेरी की ऐतिहासिक पहचान और उसकी उपयोगिता दोनों बनी रहें। अब सबकी नजर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर है, जहां इस ऐतिहासिक लाइब्रेरी के भविष्य को लेकर तस्वीर कुछ और साफ हो सकती है।

गदगद हुए शशि थरूर

स्थायी समिति की दोबारा मिली कमान

हिंदमाता नेटवर्क @ तिरुवनंतपुरम



केरलम की राजधानी तिरुवनंतपुरम से लोकसभा में कांग्रेस सांसद शशि थरूर शनिवार (3 अक्टूबर, 2026) को एक बार से फिर से विदेश मामलों से संबंधित संसद के स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्षता दोबारा सौंपे जाने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने खुशी जाहिर की है। वहीं, उन्होंने अपनी अध्यक्षता वाली स्थायी समिति में शामिल किए गए अन्य सदस्यों के नामों के बारे में जानकारी साझा की है। उन्होंने इस संबंध में शनिवार (3 अक्टूबर) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। पोस्ट में शशि थरूर ने कहा कि विदेश मामलों पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी जारी रखने का सम्मान मिला है। इस उथल-पुथल से भरी दुनिया में भारत के भविष्य के रास्ते पर गंभीर और रचनात्मक चर्चा करने के लिए इंतजार कर रहा हूं।

शशि थरूर के नेतृत्व वाली स्थायी समिति में कुल कितने सदस्य?

कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों से जुड़ी संसदीय स्थायी समिति में शामिल सदस्यों के नामों की घोषणा पिछले महीने 26 सितंबर, 2026 को ही कर दी गई थी। इसमें लोकसभा से शशि थरूर को मिलाकर कुल 21 सदस्य शामिल हैं। हालांकि, लोकसभा से शामिल होने वाले 21 सदस्यों में से अभी एक सदस्य के लिए स्थान खाली है। जबकि इस स्थायी समिति में राज्यसभा से कुल 10 सदस्य शामिल किए गए हैं। ऐसे में विदेश मामलों की स्थायी समिति में शामिल सदस्यों की कुल संख्या 31 है।

लोकसभा से समिति में किन सांसदों को किया गया शामिल?

संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति में लोकसभा से जिन सांसदों को शामिल किया है, उनमें, डीके अरुणा, विजय बघेल, अभिषेक बनर्जी, अरुण गोविल, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, नवीन जिंदल, सुब्रायन के., के. नवस कनि, बाल्य मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे, ब्रिजेंद्र सिंह ओला, असदुद्दीन ओवैसी, डॉ. प्रदीप कुमार पानिग्रही, मितेशभाई रमेशभाई पटेल, रविशंकर प्रसाद, वाई. एस. अविनाश रेड्डी, अपराजिता सारंगी, पुष्पेंद्र सरोज, प्रनीति सुशीलकुमार शिंदे, बांसुरी स्वराज और डॉ. शशि थरूर शामिल हैं। इसमें एक सदस्य का स्थान अभी रिक्त है।

राज्यसभा में किन सांसदों को किया गया शामिल?

वहीं, संसद के उच्च सदन राज्यसभा से इस संसदीय स्थायी समिति में डॉ. जॉन ब्रिटास, राघव चड्ढा, सागरिका घोष, डॉ. के. लक्ष्मण, सतनाम सिंह संधू, हर्षवर्धन श्रींगला, राजीव शुक्ला, राजेश परमानंद शुक्ला, रतनजीत प्रताप नारायण सिंह और डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है।

पश्चिम बंगाल में उत्तराखंड और गुजरात की तरह यूसीसी लागू करेंगे: शुभेंदु अधिकारी

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार छह महीने के भीतर 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ कड़े कानून लाएगी तथा उत्तराखंड एवं गुजरात की तरह राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करेगी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी के मौके पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार संविधान के अनुरूप काम करेगी, लेकिन भारतीय संस्कृति, परंपरा और पूजा स्थलों पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि यह सरकार यहां किसी भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधि की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और 'विभाजनकारी ताकतों' के खिलाफ सतर्क रहने की अपील की। शुभेंदु ने कहा कि आप निश्चिंत रहें कि सरकार संविधान के अनुरूप काम करेगी। लेकिन यह भारतीय संस्कृति, सनातनी परंपराओं, मंदिरों और मठों तथा हमारी उस विरासत पर किसी भी हमले की अनुमति नहीं देगी, जिसका प्रतिपादन आध्यात्मिक महापुरुषों स्वामी विवेकानंद और महाप्रभु श्री चैतन्य ने किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने के मामले में पश्चिम बंगाल राज्य उत्तराखंड और गुजरात का अनुसरण करेगा। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, हमें छह महीने का समय दीजिए, हम 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ भी कड़े कानून लाएंगे। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के लिए यूसीसी के मसौदे की समीक्षा करने के लिए उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।



■ सरकारी अधिसूचना के अनुसार, पश्चिम बंगाल यूसीसी विधेयक का उद्देश्य विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने से जुड़े मामलों में सभी समुदायों के लिए नागरिक कानूनों को एक समान बनाना है। यूसीसी 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रमुख चुनावी वादों में से एक था। प्रस्तावित धार्मिक पर्यटन सर्किट के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना को दो साल में पूरा किया जायेगा और इसके लिए 1,000 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमें आपके सुझाव और सहयोग की जरूरत है। तृणमूल कांग्रेस की पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए अधिकारी ने कहा कि उसके पतन के कई कारण थे, लेकिन 'हिंदू भावनाओं, संगठनों, देवी-देवताओं और परंपराओं को बार-बार ठेस पहुंचाना' इसके प्रमुख कारण थे।

■ उन्होंने कहा कि लोगों ने लंबे समय तक इन सब चीजों को सहन किया और फिर उस पार्टी को अलविदा कह दिया। अपने छात्र जीवन के दौरान राम जन्मभूमि आंदोलन में एक स्वयंसेवक के रूप में अपनी भागीदारी को याद करते हुए, शुभेंदु ने कहा कि 2021 से 2026 के बीच विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने राज्य में हिंदुओं पर कथित अत्याचारों के खिलाफ प्रदर्शन किया था। शुभेंदु ने आगामी कार्यक्रमों की एक सूची भी बताई, जिसमें नवंबर में नेताजी इंडोर स्टेडियम में 20,000 लोगों द्वारा हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ और 29 दिसंबर को 10 लाख लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ शामिल है। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने अगले वर्ष होने वाले गंगासागर मेले की तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

राष्ट्रीय कवि संगम के 11वें राष्ट्रीय अधिवेशन में महाराष्ट्र की सशक्त सहभागिता

हिंदमाता नेटवर्क @ आबूरोड

राष्ट्रीय कवि संगम के 11वें राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से आए 200 से अधिक साहित्यकारों और कवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अधिवेशन में साहित्य, राष्ट्र निर्माण, सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय एकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। राष्ट्रीय कवि संगम के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने कविता को राष्ट्र निर्माण की शक्ति बताते हुए कवियों से समाज में जागरूकता, संस्कार और राष्ट्रभावना को मजबूत करने का आह्वान किया। अधिवेशन में राष्ट्रीय कवि संगम के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मार्गदर्शक स्वर्गीय जगदीश मित्तल ह्यबाबूजीह्न को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। उनके निधन के बाद संगठन की राष्ट्रीय जिम्मेदारी रमेश अग्रवाल को नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सौंपी गई। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं विधायक योगेश्वर गर्ग तथा जालोर के सांसद लुंबाराम चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। राष्ट्रीय कवि संगम के कार्याध्यक्ष डॉ. अशोक बत्रा एवं राष्ट्रीय महामंत्री महेश कुमार शर्मा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।



■ साहित्य जगत से वरिष्ठ कवियों एवं साहित्यकारों में रसिक गुप्ता, प्रियंका राय, कल्पना शुक्ला, बलजीत कौर और कविता किरण सहित अनेक साहित्यकारों ने अधिवेशन में सहभागिता की। अधिवेशन के दौरान रीमा राय सिंह को राष्ट्रीय कवि संगम के महाराष्ट्र प्रांत का अध्यक्ष बनाया गया। उनके नेतृत्व में महाराष्ट्र से वरिष्ठ साहित्यकार गुलशन मदान, शशिकला कालकर, अर्चना झा, सुरेन्द्र प्रसाद, लक्ष्मी यादव, मधुर अहीरे और वीनू त्रिपाठी ने अधिवेशन में सहभागिता की। अधिवेशन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए साहित्यकारों ने साहित्य के माध्यम से राष्ट्र निर्माण और संगठन के आगामी कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। महाराष्ट्र की सक्रिय सहभागिता ने राष्ट्रीय मंच पर प्रदेश की साहित्यिक शक्ति और संगठनात्मक प्रतिबद्धता को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया।

नगांव -मरिगांव से 2,307 मतदान केंद्रों के लिए 11,535 पोलिंग कर्मी रवाना

उप-निर्वाचन शांतिपूर्ण आयोजित कराने के लिए प्रशासन सतर्क

पंकज नाथ @ असम

आगामी 6 अक्टूबर को होने वाले असम के नगांव लोकसभा उप-निर्वाचन के मतदान के लिए कल (5 अक्टूबर) नगांव और मरिगांव से कुल 11,535 मतदान अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमें रवाना की जाएंगी। इन टीमों में 9,228 पोलिंग एवं प्रिसाइडिंग अधिकारी और 2,307 सुरक्षा कर्मी शामिल हैं। वे नगांव जिले के 1,339 और मरिगांव जिले के 968, अर्थात कुल 2,307 मतदान केंद्रों पर तैनात होंगे। नगांव और मरिगांव जिलों के कुल आठ विधानसभा क्षेत्रों में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 19,02,009 है। इसमें 9,58,595 पुरुष, 9,43,364 महिलाएँ और 50 तृतीय लिंग के मतदाता हैं। डी-वोटर की संख्या 10,782 है। पोलिंग व प्रिसाइडिंग अधिकारियों के अतिरिक्त 203 सेक्टर अधिकारी और 53 जोनल अधिकारी भी क्षेत्र स्तर पर अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करेंगे। प्रशासन ने सुरक्षा व निर्बाध मतदान सुनिश्चित करने के लिए 624 संवेदनशील केंद्र चिन्हित किए हैं। नगांव जिले के लिए 54 माइक्रो ऑब्जर्वर संवेदनशील केंद्रों का निरीक्षण करेंगे।



जिला सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि दोनों जिलों के प्रशासन ने आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। पोलिंग दलों के लिए पर्याप्त भोजन व परिवहन की व्यवस्था की गई है। रहा और नगांव-बटद्रवा विधानसभा क्षेत्रों के पोलिंग दल नगांव लोरा सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से रवाना होंगे; रूपहीहाट, चामगुरी और धींग क्षेत्र के कर्मचारी डजन उच्चतर माध्यमिक बहुमुखी विद्यालय से निकलेंगे। मरिगांव, जागीरोड़ और लाहरिघाट के पोलिंग दल मरिगांव महाविद्यालय से भेजे जाएंगे। नगांव लोरा स्कूल के नेहरूवाली खेल मैदान में वाहनों के पार्किंग व भोजन की व्यवस्था की गई है जबकि डजन स्कूल के लिए ग्रूम्ड मैदान में वाहन रखना सुनिश्चित किया गया है। मरिगांव जिले में गाछबाड़ी, दलबाड़ी और वेटनरी मैदानों में वाहन पार्किंग की व्यवस्था है। केवल पोलिंग दलों के लिए नगांव जिले में 584 छोटे-बड़े वाहन तथा मरिगांव जिले में 427 वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। प्रशासन ने शांतिपूर्ण व सुचारू मतदान कराने हेतु व्यापक सतर्कता बरती है।

बात सीट की नहीं जीत की है

गठबंधन पर सहयोगियों को अखिलेश की दो टूक

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गठबंधन की एकजुटता पर जोर देते हुए सहयोगी दलों के लिए दो टूक संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव में सीटों के बंटवारे से ज्यादा महत्वपूर्ण गठबंधन की जीत सुनिश्चित करना है। यह बात उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कही है।



निगाह मंज़िल पर हो तो सफर आसान होता है

अखिलेश यादव ने लिखा, "मकसद जब साफ हो तो हाथ-में-हाथ होता है, निगाह मंजिल पर हो तो सफर आसान होता है!" उन्होंने कहा कि बात बड़ी ये नहीं है कि गठबंधन में कितनी सीटें या कौन सी सीट किसके पास जा रही है, बात बड़ी ये है कि हम सबको ये सुनिश्चित करना है कि जीत गठबंधन की हो।

साम्प्रदायिकता फिर कभी सिर न उठा सके

इसके बाद उन्होंने एक बार फिर अपनी भावना को पुरजोर तरीके से रखा और लिखा- "फिर दोहराते हैं : बात सीट की नहीं जीत की है।" फिर उन्होंने आगे लिखा- "ये जीत हमारे गठबंधन के दलों से बढ़कर हम सबकी उस संयुक्त कोशिश की जीत होगी जो इसलिए लगातार संघर्षरत है कि साम्प्रदायिकता फिर कभी सिर न उठा सके और लोकतंत्र-संविधान-आरक्षण पर भाजपाई आंच न आए और देश का सौहार्द फिर से खिलखिलाए, देश की तरक्की और खुशहाली फिर से मुस्कुराए।" उत्तर प्रदेश में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। अभी से दोनों दलों के अंदर गठबंधन और सीटों को लेकर खींचतान चल रही है। दोनों दलों की ओर से रह-रहकर बयानबाजी भी हो रही है। वहीं कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष भी बदल दिया है। अजय राय की जगह आराधना मिश्रा को पार्टी की कमान सौंपी गई है।

यूपी में 50 सीटों से ज्यादा न मांगे कांग्रेस, इतने में खुश रहे

सीट शेयरिंग पर सपा सांसद की दो टूक

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ से समाजवादी पार्टी के सांसद शिवपाल सिंह पटेल ने कांग्रेस को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि अगर 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस का गठबंधन नहीं होता तो वह उत्तर प्रदेश में एक भी सीट नहीं जीत पाती। सपा सांसद ने राहुल गांधी को लेकर भी दावा किया कि वह एक समय चुनाव लड़ने से पीछे हटने के लिए तैयार थे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के भरोसा दिलाने के बाद ही रायबरेली से चुनाव मैदान में उतरे। शनिवार को मीडिया बातचीत में शिवपाल सिंह पटेल ने कहा, 'अगर समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं होता तो कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाती। स्थिति यहां तक पहुंच गई थी कि उनके सबसे बड़े नेता राहुल गांधी अपनी सीट छोड़ने को तैयार थे। वह अमेठी की जगह दूसरी जगह यानी रायबरेली से चुनाव लड़े। वह बहुत डरे हुए थे।'



'अखिलेश यादव ने राहुल गांधी को चुनाव लड़ने के लिए मनाया'

सपा सांसद ने दावा किया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राहुल गांधी को भरोसा दिलाया और चुनाव लड़ने के लिए राजी किया। उन्होंने कहा, 'हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें भरोसा दिलाया और चुनाव लड़ने के लिए मनाया। उनसे कहा कि आप चुनाव लड़िए, अगर आप नहीं लड़ेंगे तो हम अपना उम्मीदवार उतार देंगे। इसके बाद ही राहुल गांधी चुनाव लड़ने के लिए तैयार हुए। वरना वह उस परंपरागत सीट से चुनाव लड़ने को लेकर बेहद अनिच्छुक थे, जिसे नेहरू परिवार की सीट कहा जाता है।' शिवपाल सिंह पटेल ने दावा किया कि राहुल गांधी अखिलेश यादव के मनाने के बाद ही रायबरेली से जीत पाए।

'सपा का एक-एक वोट कांग्रेस को मिला'

पटेल ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को पूरा समर्थन दिया था। गठबंधन में कांग्रेस को जहां भी सीटें मिलीं, वहां समाजवादी पार्टी का एक-एक वोट उसके उम्मीदवारों के पक्ष में गया। उन्होंने कहा, 'समाजवादी पार्टी का एक-एक वोट कांग्रेस को मिला। इसी वजह से वे छह सीटें जीत पाए।' उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 37 सीटें जीतीं और कांग्रेस की तुलना में उसकी स्थिति कहीं मजबूत है। पटेल ने कहा, 'हमने 37 सीटें जीतीं। हम हर लिहाज से कांग्रेस से बहुत आगे हैं। उन्हें 50 से ज्यादा सीटें नहीं मांगनी चाहिए और इतने में खुश रहना चाहिए। कांग्रेस को सहयोग करना चाहिए, न कि तरह-तरह की बेतुकी या नकारात्मक बातें करनी चाहिए।'

यूपी में कांग्रेस को कितनी सीटें देगी सपा?

सपा सांसद का यह बयान उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों के लिए भविष्य की सीट शेयरिंग के लिहाज से अहम माना जा रहा है। मौजूदा विधानसभा में कांग्रेस के दो विधायक हैं, जबकि समाजवादी पार्टी के 101 विधायक हैं।

नमो घाट पर दिखेगा भारतीय वायुसेना का शौर्य, 24-26 अक्टूबर तक भव्य एयर शो

कार्यक्रम में शामिल होंगे पीएम मोदी

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 24 से 26 अक्टूबर तक नमो घाट पर भारतीय वायुसेना का एयर शो होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इसकी तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। 25 अक्टूबर को होने वाले मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के शामिल होने की संभावना है। बैठक में भीड़, ट्रैफिक, पार्किंग, सुरक्षा और जिलों के तालमेल पर जोर रहा। गंगा किनारे बसी वाराणसी महादेव की नगरी है। जब यहां के आसमान में वायुसेना के विमानों की गर्जना गूंजेगी, तो देश की ताकत और काशी की सांस्कृतिक विरासत का अनोखा संगम दिखेगा। बैठक में वायुसेना और वाराणसी के जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को तैयारियों की जानकारी दी। दर्शक गैलरी, ग्रैंडस्टैंड, विशिष्ट मेहमानों की जगह, मीडिया एरिना, आने-जाने के रास्ते और सुरक्षा जांच केंद्रों के इंतजाम बताए गए। नमो घाट और गंगा किनारे भारी भीड़ की उम्मीद है। इसलिए इलाकों को जोन और सेक्टर में बांटकर व्यवस्था संभालने की योजना बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों में भी एयर शो को लेकर काफी उत्साह है और बड़ी संख्या में लोग आ सकते हैं। इसलिए भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक, पार्किंग और जोन के हिसाब से जगह की पहचान पहले से पक्की की जाए। दर्शकों के रास्ते साफ और आसान हों। हर इलाके में पीने का पानी, प्राथमिक उपचार, साफ-सफाई और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हों। उन्होंने प्रशिक्षित पुलिसकर्मी लगाने और हर सेक्टर में मजिस्ट्रेट तैनात करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नमो घाट के साथ काशी के दूसरे बड़े घाटों और आसपास के इलाकों में भी लोग पहुंच सकते हैं। ऐसे में घाटों पर भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक, पार्किंग और जल व थल मार्ग से आवाजाही एकीकृत कार्ययोजना के तहत संभाली जाए। सुरक्षा और आपात इंतजामों का पहले से अभ्यास हो, ताकि जरूरत पड़ने पर सभी टीमें तुरंत मिलकर कार्यवाही कर सकें। मुख्यमंत्री ने वाराणसी मंडल के सभी जिलों के डीएम में बेहतर तालमेल रखने को कहा, क्योंकि पड़ोसी जिलों से भी लोग आएंगे। वायुसेना, प्रशासन और सभी विभाग तय समय में तैयारियां पूरी करें, ताकि श्रद्धालुओं, पर्यटकों और आम लोगों को सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल मिले।



नोएडा की सुपरनोवा सोसाइटी के 43वें फ्लोर से कूदा युवक

दो हिस्सों में बंटा शव



हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा के सेक्टर-94 स्थित चर्चित सुपरनोवा सोसाइटी से आत्महत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के अंतर्गत एस्पायर टावर की 43वीं मंजिल से कूदकर एक युवक ने अपनी जान दे दी। अत्यधिक ऊंचाई से गिरने के कारण युवक का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया और शव दो टुकड़ों में विभाजित हो गया। घटना के बाद सोसाइटी परिसर में अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक ने सुपरनोवा सोसाइटी के एस्पायर टावर के 43वें फ्लोर से संदिग्ध परिस्थितियों में छलांग लगा दी। भारी दबाव और अत्यधिक ऊंचाई से गिरने की वजह से युवक का शव दो हिस्सों में कट गया।

यूपी का भदोही अब कहलाएगा संत कबीर नगर, सीएम का ऐलान

चुनावी पैंतरा, करोड़ों की दी सौगात

हिंदमाता नेटवर्क @ भदोही

इस वक्त की बड़ी खबर यूपी से सामने आ रही है। दरअसल, सीएम योगी ने अब यूपी के एक और जिले का नाम बदलने का ऐलान कर दिया है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को घोषणा की कि भदोही जिले का नाम अब संत रविदास नगर भदोही किया जाएगा। यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "अब हमारा भदोही जिला संत रविदास नगर भदोही कहलाएगा।"



सद्गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर जाना जाएगा भदोही

बता दें कि सीएम योगी रविवार को भदोही के दौरे पर थे। यहां उन्होंने 1,340 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 112 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हम लोगों ने कहा था कि अब हमारा कालीन उद्योग के लिए जाना जाने वाला भदोही जनपद आने वाले समय में मध्यकालीन संत, जिन्होंने अपनी साधना के माध्यम से समाज को जोड़ने का काम किया था, ऐसे सद्गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर भदोही जाना जाएगा।

'उत्सव युक्त उत्तर प्रदेश बनाने का काम किया'

सीएम योगी ने कहा कि आज जो पैसा तीर्थों के विकास के लिए खर्च हो पा रहा है, विरासत की धरोहरों का सौंदर्यीकरण और संरक्षण हो पा रहा है, 2017 के पहले यही पैसा तीर्थों को नहीं बल्कि कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल के नाम पर जमीन कब्जा करने का माध्यम बनता था। डबल इंजन की सरकार ने उस प्रवृत्ति को रोका, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाया, माफिया मुक्त, उपद्रव मुक्त उत्तर प्रदेश बनाकर उत्सव युक्त उत्तर प्रदेश बनाने का काम किया।

'कालीन उद्योग को नया बाजार मिला'

सीएम योगी ने भदोही में कहा कि संत रविदास नगर और सिल्क क्लस्टर से आज 6,100 करोड़ रुपये का निर्यात हो रहा है। इसका सीधा लाभ हमारे कारीगरों, हस्तशिल्पियों और कालीन उद्योग से जुड़े लोगों को मिल रहा है। ओडीओपी से जुड़ने के बाद कालीन उद्योग को नया बाजार मिला, डिजाइन में सहयोग मिला और सरकार का समर्थन मिला। इससे कारीगरों और हस्तशिल्पियों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि भदोही में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) स्थापित है, जहां कारपेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा के साथ डिजाइनिंग और डाइंग का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

सुल्तानपुर में शहीद का पार्थिव शरीर लेकर जा रही एंबुलेंस ट्रक में घुसी

बेटे समेत चार की हुई मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ सुल्तानपुर

उत्तर प्रदेश में सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 4 अक्टूबर की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा शहीद के परिवार के लिए काल बनकर आ गया। पंचकुला से देवरिया शहीद सुबेदार मेजर सत्यवान का पार्थिव शरीर लेकर जा रही एंबुलेंस हलियापुर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में शहीद के बेटे, भाई और भतीजे समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसा 4 अक्टूबर की सुबह करीब 8:15 बजे अयोध्या-सुल्तानपुर सीमा के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 79.6 पर हुआ। बताया गया कि एंबुलेंस पंचकुला से शहीद का पार्थिव शरीर लेकर देवरिया जा रही थी। एंबुलेंस में शहीद के परिवार के सदस्य भी सवार थे।

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी एंबुलेंस

सुल्तानपुर में हुए इस दर्दनाक सड़क हादसे में प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एंबुलेंस की रफ्तार काफी तेज थी। हलियापुर के पास अचानक एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और केबिन पिचक गया। चालक जसपाल का शव स्टेयरिंग में फंस गया। इस हादसे में शहीद सुबेदार मेजर सत्यवान के बेटे गौरव सिंह, भाई राजन चौधरी, भतीजे राम समुझ और एंबुलेंस चालक जसपाल की मौत हो गई। गौरव सिंह और चालक जसपाल ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल राजन चौधरी और राम समुझ को उपचार के लिए अयोध्या के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।



एंबुलेंस में फंसे शवों को निकालने के लिए गैस कटर की मदद ली गई

हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एंबुलेंस में फंसे शवों को निकालने के लिए गैस कटर की मदद ली गई। सूचना मिलते ही हलियापुर पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची, जिसमें उन्होंने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि देवरिया के रुद्रपुर निवासी सेना के सुबेदार मेजर सत्यवान कुछ दिन पहले पंचकुला में शहीद हो गए थे। उनका पार्थिव शरीर लेने के लिए परिवार से उनके भाई राजन चौधरी, भतीजे राम समुझ और बेटे गौरव सिंह पंचकुला पहुंचे थे। 3 अक्टूबर की देर रात तीनों एंबुलेंस से शहीद का पार्थिव शरीर लेकर देवरिया के लिए रवाना हुए थे। लेकिन घर पहुंचने से पहले ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हुए हादसे में परिवार के तीन सदस्यों और एंबुलेंस चालक की जान चली गई। हादसे के बाद शहीद सुबेदार मेजर सत्यवान का पार्थिव शरीर सम्मान के साथ हलियापुर थाने में रखवाया गया है। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दे दी है।

'फूलन देवी बनकर लूंगी बदला...' जलती झोपड़ी के सामने रोने लगी लड़की, बोली- उसने मेरा घर जला दिया

हिंदमाता नेटवर्क @ बदायूं

बदायूं में एक झोपड़ी जल रही थी। सामने एक युवती खड़ी थी। गुस्से में थी। कैमरा चल रहा था। और फिर उसने एक ऐसी बात कही, जिसने इस पूरे मामले को सोशल मीडिया पर चर्चा में ला दिया... 'फूलन देवी बनकर लूंगी बदला।' वीडियो में दिख रही लड़की का नाम शिवानी कश्यप है। उसका आरोप है कि पुलिस और लेखपाल की टीम उसके घर में जबरन घुसी और उसकी झोपड़ी में आग लगा दी। लेकिन कहानी का दूसरा पक्ष भी है। पुलिस कह रही है कि झोपड़ी में आग उसने नहीं लगाई। पुलिस के मुताबिक, खुद ही आग लगाई गई और बाद में पूरे मामले को गलत तरीके से पेश किया गया। दरअसल, ये मामला बदायूं के कादरचौक थाना क्षेत्र के लाभारी गांव का है। यहां जमीन की पैमाइश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, 29 सितंबर को नन्नी देवी की शिकायत पर राजस्व विभाग की टीम गांव पहुंची। जमीन की पैमाइश हुई। पुलिस का दावा है कि पैमाइश के बाद नन्नी देवी को उनकी जगह पर कब्जा दिलाया गया। लेकिन अगले दिन फिर विवाद खड़ा हो गया। 30 सितंबर को नन्नी देवी ने अपनी जगह पर नींव भरवाने का काम शुरू कराया। पुलिस के मुताबिक, दूसरे पक्ष ने यह नींव उखाड़ दी। अब मामला फिर गरमा गया। इसके बाद आया 1 अक्टूबर। पुलिस के मुताबिक, राजस्व टीम पुलिस बल के साथ दोबारा गांव पहुंची। जमीन की पैमाइश से जुड़े काम को आगे बढ़ाया जाना था। लेकिन पुलिस का आरोप है कि इसी दौरान सरकारी काम में बाधा डाली गई। और इसके बाद सामने आया वह वीडियो, जिसने पूरे मामले का रुख बदल दिया। वीडियो में जलती झोपड़ी दिखाई दे रही है। उसके सामने शिवानी कश्यप नाम की लड़की खड़ी है। वह पुलिस और लेखपाल पर आरोप लगा रही है। उसका कहना है कि टीम जबरन घर में दाखिल हुई और झोपड़ी में आग लगा दी। फिर उसने गुस्से में कहा- 'फूलन देवी बनकर लूंगी बदला।'



हिंदमाता एंकर: इस बार काशी के ऐतिहासिक 84 घाटों, पोखरों, तालाबों और कुंडों को 11 लाख से अधिक दीपों की रोशनी से रोशन किया जाएगा

24 नवंबर को 11 लाख दीयों से जगमगाएगी काशी, गोबर के दीये और थ्री डी लेजर शो होंगे खास

हिंदमाता संवाददाता @ वाराणसी

इस साल 24 नवंबर 2026 को कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में देव दीपावली का महापर्व बेहद अलौकिक और भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस बार काशी के ऐतिहासिक 84 घाटों, पोखरों, तालाबों और कुंडों को 11 लाख से अधिक दीपों की रोशनी से रोशन किया जाएगा। देवाधिदेव महादेव की इस पावन नगरी में इस साल की देव दीपावली को ऐतिहासिक बनाने के लिए योगी सरकार और पर्यटन विभाग की ओर से बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। देश और दुनिया भर से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए यह नजारा बेहद खास होने वाला है।

पर्यावरण संरक्षण का अनोखा संदेश देंगे गाय के गोबर से बने दीपक

पर्यटन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस वर्ष की देव दीपावली में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कुल जलाए जाने वाले 11 लाख से अधिक दीयों में से लगभग 1 लाख दीप विशेष रूप से गाय के गोबर से तैयार किए जा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है।



3डी लेजर शो के साथ होगी ग्रीन आतिशबाजी

देव दीपावली के दिन काशी के चेतसिंह घाट और अन्य प्रमुख स्थलों पर भव्य और आकर्षक 3डी लेजर शो का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा फसाड लाइटिंग की व्यवस्था होगी और पर्यावरण को नुकसान से बचाने के लिए प्रदूषण मुक्त ग्रीन आतिशबाजी भी की जाएगी, जिससे गंगा घाटों का नजारा अद्भुत दिखेगा।

20 से 23 नवंबर तक होगा 'गंगा महोत्सव'

देव दीपावली के मुख्य पर्व से ठीक पहले काशी में 20 नवंबर से 23 नवंबर तक 'गंगा महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। यह चार दिवसीय महोत्सव विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगीत और लोककलाओं से सजा होगा। गंगा महोत्सव और देव दीपावली दोनों ही आयोजन वाराणसी की धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से गहराई से जुड़े हैं।

जानिए लीजिए दीपदान का शुभ मुहूर्त

धार्मिक मान्यताओं और पंचांग के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली के दिन दीपदान के लिए सबसे उत्तम समय शाम का प्रदोष काल माना जाता है। 24 नवंबर को दीपदान का शुभ प्रदोष काल मुहूर्त शाम 05:08 बजे से शुरू होकर रात 07:47 बजे तक रहेगा। इसी दौरान घाटों पर दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। देव दीपावली और गंगा महोत्सव में हर साल देश-विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक काशी पहुंचते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था, रूट डायवर्जन, ट्रैफिक मैनेजमेंट और नागरिक सुविधाओं को लेकर अभी से व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो। इसके लिए सरकारी अधिकारियों के द्वारा अपने-अपने से प्लानिंग की जा रही है।

शॉर्ट स्टोरी

रात 2 बजे घर में घुसा पड़ोसी, प्रेमी जोड़े को मारी गोली

हिंदमाता नेटवर्क @ बेगूसराय



बिहार के बेगूसराय में सोशल मीडिया पर पत्नी की तस्वीर लगाने से मना करने पर पड़ोसी ने पति-पत्नी को गोली मारकर घायल कर दिया। वारदात बखरी थाना क्षेत्र के मौजी थान सिंह गांव की है। घायल दंपति को इलाज के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी जितेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया है। घायल महिला की पहचान करिश्मा पासवान के रूप में हुई है, जबकि उसके पति का नाम छोटू महतो बताया गया है। करिश्मा बखरी थाना क्षेत्र के मौजी हरि सिंह गांव की रहने वाली है और उसने साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के रहने वाले छोटू से प्रेम प्रसंग के बाद शादी की थी। 3 अक्टूबर को वह अपने पति के साथ मायके गई थी। बताया गया है कि रात में करिश्मा और छोटू घर में सो रहे थे। इसी दौरान करीब दो बजे पड़ोसी जितेंद्र यादव अपने एक साथी के साथ वहां पहुंचा। दोनों ने घर में घुसकर पति-पत्नी पर गोली चला दी। फायरिंग में करिश्मा और छोटू दोनों जख्मी हो गए। वारदात के बाद घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया।करिश्मा ने बताया कि करीब छह महीने पहले जितेंद्र यादव ने उसकी तस्वीर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लगाई थी। उसके पति ने इसका विरोध किया था। इसी बात को लेकर जितेंद्र नाराज हो गया था। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। इसके बावजूद पुरानी रंजिश खत्म नहीं हुई और 3 अक्टूबर की रात इस घटना को अंजाम दिया गया। करिश्मा के पति छोटू ने बताया कि वह और उसकी पत्नी घर में सो रहे थे, तभी जितेंद्र अपने साथी के साथ वहां पहुंचा।

दृश्यम देखकर पिता की हत्या, 2000 किमी दूर से आया बेटा

हिंदमाता नेटवर्क @ समस्तीपुर



बिहार के समस्तीपुर में एक बेटे ने फिल्म 'दृश्यम' देखकर अपने पिता की हत्या की साजिश रची। करीब 2000 किलोमीटर दूर गुजरात के सूरत से ट्रेन पकड़कर वह गांव पहुंचा और घर के दरवाजे पर सो रहे पिता की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। वारदात के बाद वह रात के अंधेरे में ही वापस सूरत लौट गया। उसे लगा कि फिल्म की तरह पुलिस को कोई सुराग नहीं मिलेगा, लेकिन उसकी एक छोटी सी चूक ने पूरा राज खोल दिया और वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया।मामला समस्तीपुर के हलई थाना क्षेत्र के दरवा गांव का है। 26 जुलाई की देर रात रघुवीर सहनी घर के दरवाजे पर सो रहे थे। इसी दौरान उनकी हत्या कर दी गई। आरोपी ने घर में रखी कुल्हाड़ी से उनके सिर पर कई वार किए। हत्या के बाद कुल्हाड़ी को भी घर में ही छोड़ दिया और फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान पुलिस को आशंका हुई कि वारदात को किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि किसी करीबी ने अंजाम दिया है इसके बाद पुलिस ने मृतक के परिवार और करीबियों की गतिविधियों की जांच शुरू की। तकनीकी अनुसंधान के दौरान शक की सुई मृतक के बेटे शिव शंकर पर जाकर टिक गई। पुलिस के मुताबिक, शिव शंकर का अपने पिता से जमीन बेचने को लेकर विवाद था। पिता कथित तौर पर बेटे और बहू को गाली देते थे। इसी वजह से शिव शंकर अपनी पत्नी के साथ सूरत जाकर रहने लगा था। पुलिस पूछताछ में शिव शंकर ने कथित तौर पर बताया कि सूरत में रहने के दौरान उसने फिल्म 'दृश्यम' देखी थी। फिल्म से प्रभावित होकर उसने पिता की हत्या की योजना बनाई। इसके बाद वह सूरत से गांव के लिए निकल पड़ा। पुलिस के अनुसार, ट्रेन से यात्रा शुरू करने से पहले उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया, ताकि उसकी लोकेशन ट्रेस न हो सके।

चलती ट्रेन के एसी कोच में निकला सांप, 1 घंटे चला सर्च ऑपरेशन

हिंदमाता नेटवर्क @ जयनगर



बिहार के जयनगर से नई दिल्ली जा रही 12561 स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के एसी-2 कोच में शनिवार को सांप दिखाई देने के बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। सांप को देखने के बाद यात्री डर गए। खासकर बच्चों और परिवार के साथ सफर कर रहे यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि ट्रेन के जयनगर से खुलने के बाद एक यात्री ने एसी-2 कोच के ऊपरी हिस्से में सांप जैसा जीव देखा। इसके बाद यात्री ने उसका वीडियो बना लिया और रेलवे सुरक्षा बल के साथ रेलवे हेल्पलाइन 139 पर शिकायत की। ट्रेन में सफर कर रहे यात्री अरुण ठाकुर ने घटना का वीडियो शेयर करते हुए रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि परिवार और बच्चों के साथ सफर के दौरान कोच में सांप दिखाई देने से यात्रियों में डर का माहौल बन गया। यात्री के मुताबिक, उन्होंने ट्रेन के टीटी को भी इसकी जानकारी दी। उनका कहना था कि सांप अगर किसी यात्री की सीट, बर्थ या सामान के आसपास पहुंच जाए तो बड़ी घटना हो सकती है। रात के सफर में यात्रियों के बीच यह चिंता बनी रही कि आखिर सांप को कोच से कैसे बाहर निकाला जाएगा। ट्रेन के मुजफ्फरपुर स्टेशन पहुंचने के बाद रेलवे के कैरेज एंड वैगन विभाग की टीम ने संबंधित एसी कोच की सघन तलाशी ली। करीब एक घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बावजूद कोच के भीतर सांप का कोई पता नहीं चल सका। लेकिन इसके बाद भी यात्रियों का डर और हंगामा जारी रहा। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे ने मुजफ्फरपुर स्टेशन पर ए-2 कोच को ट्रेन से अलग कर दिया और उसकी जगह दूसरा कोच जोड़ा गया।

80 हजार करोड़ रुपए का बड़ा डिफेंस प्लान, भारत बनाएगा 6 नई सबमरीन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत अपनी अंडरवॉटर डिफेंस क्षमता बढ़ाने के लिए 80,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रोजेक्ट को अंतिम मंजूरी के करीब ले आया है। इसके तहत जर्मनी की साझेदारी में भारत में 6 एडवांस्ड कन्वेंशनल सबमरीन बनाई जाएंगी। साथ ही 3 अतिरिक्त स्कॉर्पीन सबमरीन बनाने के प्रस्ताव पर भी विचार चल रहा है।



प्रोजेक्ट-75(आई) को अंतिम मंजूरी का इंतजार

छह नई पनडुब्बियां लंबे समय से लंबित प्रोजेक्ट-75(आई) के तहत बनाई जाएंगी। इसमें मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स (एमडीएल) और जर्मन कंपनी टीकेएमएस की साझेदारी प्रस्तावित है। पनडुब्बियों का निर्माण भारत में ही किया जाएगा और भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियों की भी इसमें भागीदारी होगी। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के अनुसार प्रोजेक्ट-75(आई) अंतिम चरण में है और सक्षम प्राधिकारी के अंतिम फैसले का इंतजार है। इसके अलावा अतिरिक्त स्कॉर्पीन पनडुब्बियों का प्रस्ताव भी विचाराधीन है, हालांकि वह अभी उतने आगे के चरण में नहीं पहुंचा है।

3 और स्कॉर्पीन बनाने पर भी विचार

भारत मौजूदा कलवरी क्लास यानी स्कॉर्पीन लाइन को आगे बढ़ाने के लिए 3 और पनडुब्बियां बनाने के प्रस्ताव पर भी विचार कर रहा है। इन्हें भी मुंबई स्थित एमडीएल में बनाया जा सकता है। पहले प्रोजेक्ट-75 के तहत 6 कलवरी क्लास पनडुब्बियां भारत में बनाई जा चुकी हैं। आखिरी पनडुब्बी आईएनएस वागशीर को जनवरी 2025 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

मौजूदा सबमरीन में भी लगेगा स्वदेशी एआईपी

नई पनडुब्बियों के साथ मौजूदा बेड़े को भी अपग्रेड किया जा रहा है। डीआरडीओ की ओर से विकसित एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) सिस्टम को स्कॉर्पीन क्लास की पनडुब्बियों में लगाया जाएगा। एआईपी तकनीक पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन को लंबे समय तक पानी के भीतर रहने में मदद करती है। इससे बार-बार सतह पर आने की जरूरत कम होती है और अंडरवॉटर एंड्योरेंस बढ़ता है।

स्वदेशी कॉम्बैट सिस्टम भी होगा अपग्रेड

रक्षा सचिव के मुताबिक नौसेना की नेवल फिजिकल एंड ओशनोग्राफिक लेबोरेटरी (एनपीओएल) ने सबमरीन के लिए एक स्वदेशी इंटीग्रेटेड कॉम्बैट सिस्टम भी विकसित किया है। इसे समय के साथ रिफिट के दौरान मौजूदा पनडुब्बियों में लगाया जाएगा।

रूस ने यूक्रेन में भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनी पर किया अटैक

एक की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ मॉस्को



राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को बताया कि यूक्रेन के सुमी में एक रूसी ड्रोन के हमले में दवा बनाने वाली एक फैक्ट्री को निशाना बनाया गया। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह प्लांट 'कुसुम हेल्थकेयर' का था, जो एक भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनी है। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जेलेंस्की ने व्यक्त की संवेदनाएं

इस बीच, जेलेंस्की ने हमले की निंदा की और कहा कि उनकी संवेदनाएं मारे गए लोगों के परिवारों के साथ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रूसियों ने कीव में 'पिवनिचनी ब्रिज' और निप्रो में एक कम्युनिकेशन फैसिलिटी को भी निशाना बनाया है, जिससे कई लोग घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि अकेले इस हफ्ते रूसियों ने यूक्रेन पर 1,900 से ज्यादा ड्रोन, 1,700 हवाई बम और 25 मिसाइलों से हमले किए हैं। उन्होंने कहा कि इन हमलों में इस्तेमाल किए गए 800 से ज्यादा ड्रोन जेट-पावर्ड थे।

रात भर में 135 ड्रोन अटैक

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, "रात भर में रूसियों ने यूक्रेन पर 135 अटैक ड्रोन से हमले किए, जिनमें से 50 से ज्यादा जेट-पावर्ड थे। कीव, निप्रो, खार्किव, डोनेट्स्क, सुमी और जॉर्जिज्जिया इलाके हमलों की चपेट में आए।" उन्होंने आगे कहा, "और हमेशा की तरह, इन आतंकवादियों के मुख्य निशाने आम रिहायशी इमारतें और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर हैं झ्र यानी वे सभी चीजें जो आम रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं। कुछ इलाकों में बिजली गुल हो गई है। हमारी टीमें प्रभावित जगहों पर काम कर रही हैं।"

जर्मनी के चांसलर का यूक्रेन दौरा

ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज यूक्रेन पहुंचे और जेलेंस्की से मुलाकात की, जिससे कीव के लिए यूरोप का समर्थन जाहिर होता है। मर्ज ने कहा है कि रूस की "वार मशीन" देर-सबेर दूसरे यूरोपीय देशों के खिलाफ भी हो जाएगी। उन्होंने कीव को भरोसा दिलाया कि यूक्रेन को हर जरूरी मदद दी जाएगी। हाल ही में यूक्रेन ने और ज्यादा समर्थन की मांग की है। उसका कहना है कि रूसी ड्रोन हमलों का सामना करने के लिए उसे और ज्यादा एडवांस्ड इंटरसेप्टर की जरूरत है। एएफपी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बर्लिन और कीव के बीच 1 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा के मिलिट्री सपोर्ट पैकेज पर समझौता होने की उम्मीद है। जेलेंस्की ने कहा, "आज जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज कीव का दौरा कर रहे हैं। वे एक ऐसे देश के नेता हैं, जो रूसी हमलों से यूक्रेन के लोगों की जान बचाने में लगातार नेतृत्व दिखाते रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा, "हम हर तरह के समर्थन के लिए आभारी हैं। आज हम ऐसे फैसलों पर काम कर रहे हैं जिनसे हमें - यानी यूक्रेन और पूरे यूरोप को - अपनी सुरक्षा करने की बेहतर क्षमता मिल सके।

सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर बड़ा हमला!

हूतियों का दावा-'अरामको पर बरसाई मिसाइलें'

हिंदमाता नेटवर्क @ रियाद

वेस्ट एशिया में सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। हूती संगठन ने दावा किया है कि उसने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अरामको की एक तेल फैसिलिटी को बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याा सरी ने कहा कि हमले में निशाने पर मौजूद ठिकानों को नुकसान पहुंचा और वहां आग लग गई। हालांकि, सऊदी अरब ने रियाद पर ऐसे किसी हमले के हूती दावे को खारिज कर दिया है।

रियाद में अरामको के पास आग और धुआं दिखने का दावा

हूती समर्थित चैनल अल-मसीरा ने सैन्य प्रवक्ता याा सरी के हवाले से बताया कि रियाद में अरामको को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन ऑपरेशन चलाया गया। हूती पक्ष का कहना है कि हमले के बाद अरामको की एक फैसिलिटी के पास आग और धुएं का गुबार दिखाई दिया। इस घटना की कुछ तस्वीरें और वीडियो भी सामने आने का दावा किया गया है। हालांकि, इन तस्वीरों से हमले की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं होती।

सऊदी ने कहा, 'हूती काल्पनिक जीत दिखाना चाहते हैं'



सऊदी नेतृत्व वाले यमन गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने हूतियों के रियाद पर हमले के दावे को भ्रामक बताया। सऊदी मीडिया के मुताबिक, उन्होंने कहा कि हूती अपने नुकसान से ध्यान हटाने के लिए एक 'काल्पनिक जीत' दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके मुताबिक, ताइज के अहम मोर्चे पर हूतियों को भारी नुकसान हुआ है। अल-मलिकी ने कहा कि हूती अपने बड़े नुकसान से लोगों का ध्यान हटाने के लिए रियाद पर कथित हमले की कहानी को सामने ला रहे हैं।

अल-कायदा ने फ्लाईदुबई हमले की तारीफ की, 9/11 से की तुलना

कहा-काफिरों के विमान अभी भी निशाने पर

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अल-कायदा ने 11 सितंबर, 2001 के हमलों का जिक्र करते हुए और तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की एक फ्लाइट में कथित तौर पर अपहरण की कोशिश की तारीफ की। अल-कायदा ने अमेरिकी और इजरायली एयरलाइनरों को निशाना बनाकर वैसे ही हमले करने का आान किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह अपील 'अल-बयान' के ताजा अंक में छपी थी। यह एक साप्ताहिक प्रकाशन है, जिसे जुलाई में अल-कायदा के समर्थकों ने शुरू किया था। बताया जाता है कि हटाए जाने से पहले इसे ग्रुप के टेलीग्राम चैनलों पर शेयर किया गया था। इस लेख में 9/11 के हमलों और 30 सितंबर को 'फ्लाईदुबई' की फ्लाइट एफजेड1073 पर कब्जे की कोशिश का जिक्र था। इस फ्लाइट में 170 से ज्यादा यात्री और क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें ज्यादातर इजरायली थे और यह दुबई से तेल अवीव जा रही थी। 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, अरबी भाषा में लिखे इस लेख में अमेरिकियों और इजरायलियों को ले जा रहे विमानों पर हमले करने के लिए उकसाया गया था।



9/11 हमले से की गई तुलना

खबरों के अनुसार, प्रकाशन में 11 सितंबर के हमलों के दौरान वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से टकराते एक विमान की तस्वीर के साथ-साथ फ्लाईदुबई की उड़ान पर कब्जे के प्रयास से संबंधित एक अन्य तस्वीर भी शामिल थी। न्यूयॉर्क पोस्ट ने रिपोर्ट दी कि शनिवार को हटाए जाने से पहले यह कंटेंट अल-कायदा से जुड़े टेलीग्राम चैनलों पर फैलाया गया था।

'दुष्ट अमेरिका का अंत होगा'

अरबी भाषा के लेख में कहा गया, "युद्ध अभी समाप्त नहीं हुआ है- जायोनिस्टों, अमेरिकियों और इस्लाम के विरुद्ध लड़ने वाले सभी अन्य काफिरों को ले जाने वाले विमान अभी भी आसमान में मंडरा रहे हैं और उन्हें निशाना बनाया जा सकता है, जैसा कि 11 और 30 सितंबर को हुआ था।" लेख में आगे कहा गया, "अमेरिका और जायोनिस्टों के आज पहले से कहीं अधिक दुश्मन हैं। हो सकता है कि कोई ऐसा व्यक्ति जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता, उन्हें निशाना बनाए और उसका यह अभियान अंततः इस्लाम को लाभ पहुंचाए।" इसमें आगे लिखा था, "वह दिन आएगा जब दुष्ट अमेरिका का साम्राज्य समाप्त हो जाएगा।"

फ्लाईदुबई की फ्लाइट के साथ क्या हुआ?

दरअसल, फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी, तभी अल-हम्मामी ने कथित तौर पर कैप्टन स्मित मच्छार पर कॉकपिट में इमरजेंसी के समय इस्तेमाल के लिए रखी गई कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। विमान में 174 लोग सवार थे। घटना के दौरान, विमान ने एक इमरजेंसी मैसेज भेजा और तेजी से नीचे आने लगा। यह लगभग 34,000 फीट की ऊंचाई से गिरकर 17,000 फीट से भी नीचे आ गया। मच्छार कॉकपिट के फर्श पर घायल अवस्था में पड़े थे, तभी उन्हें एहसास हुआ कि विमान नीचे जा रहा है। उन्हें यह भी पता चला कि को-पायलट उन्हें कॉकपिट का दरवाजा खोलने से रोक रहा था। जब मच्छार किसी तरह दरवाजा खोलने में कामयाब हो गए, तो यात्रियों ने कथित हमलावर को काबू में कर लिया। इसके बाद, विमान में यात्रा कर रहे दो रिजर्व पायलट कॉकपिट में आए और विमान का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया। आखिरकार विमान को सऊदी अरब के तबुक में प्रिंस सुल्तान बिन अब्दुलअजीज एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया, जहां अल-हम्मामी को हिरासत में ले लिया गया।

पाकिस्तान सरकार ने नहीं बनी बात, अब इमरान समर्थक निकालेंगे लॉन्ग मार्च

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सरकार के साथ बातचीत नाकाम होने के बाद रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों द्वारा विरोध प्रदर्शन की तैयारी की गई है। पीटीआई के समर्थक एक लॉन्ग मार्च करने की तैयारी कर रहे हैं। पीटीआई की मांगों को लेकर यह बातचीत हुई थी। इस बातचीत में जेल में बंद इमरान खान से तुरंत मुलाकात, उन्हें निजी डॉक्टर और उचित सुविधाओं वाले अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग की गई थी। लेकिन यह बातचीत बेनतीजा निकली।



दोनों पक्षों की मांगें क्या?

बता दें, सबसे पहले शुक्रवार को बातचीत हुई थी। इस दौरान दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हुआ था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने इमरान खान को अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग की थी, जबकि सरकार चाहती थी कि पीटीआई 4 अक्टूबर को होने वाले मार्च को रद्द कर दे। शनिवार को दोनों पक्षों के बीच दूसरे दौर की बातचीत हुई। कई घंटों तक बातचीत चली, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने पहले 27 सितंबर को इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च निकालने की योजना की घोषणा की थी, लेकिन बाद में मार्च को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बीच इसे 4 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया था।

पाकिस्तान में आतंकियों पर बड़ा एक्शन

खुफिया ऑपरेशन में 5 मारे गए,13 संदिग्ध गिरफ्तार



हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

आतंकियों का पनाहगाह पाकिस्तान खुद भी आतंकवाद से जूझ रहा है और अब उसने आतंकियों के सफाए के लिए एक अभियान चलाया है। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में शनिवार को पांच आतंकवादियों को मार गिराया। एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण वजीरिस्तान जिले में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान फितना अल-खवारिज से जुड़े कई आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया। दरअसल, पाकिस्तान की संघीय सरकार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए फितना अल-खवारिज शब्द का इस्तेमाल करती है। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले कई सालों से आतंकवादी हिंसा, अफगानिस्तान से लड़ाकों की सीमा पार आवाजाही और लगातार सैन्य अभियानों के कारण अशांति बनी हुई है। आतंकियों के इस सफाए को बदले के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले हफ्ते खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान जिले में सड़क किनारे स्थित पुलिस चौकी पर हुए आत्मघाती बम हमले में एक दर्जन से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए थे और कम से कम 30 अन्य घायल हो गए थे। इसके अलावा कोहाट शहर में विस्फोटकों से भरी एक कार के मस्जिद के प्रवेश द्वार से टकराने के बाद लगभग 21 लोगों की मौत हो गई थी। इन दोनों हमलों का संबंध टीटीपी से था।

पाक के पंजाब प्रांत में 13 आतंकी गिरफ्तार

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने पिछले एक हफ्ते के दौरान पूरे प्रांत में चलाए गए खुफिया अभियानों के दौरान प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 13 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस अवधि में पंजाब में 98 खुफिया अभियान चलाए गए। प्रवक्ता ने कहा, संदिग्धों के संबंध तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), अल-कायदा, आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों से हैं।

इन संदिग्ध आतंकियों को लाहौर, सरगोधा, गुजरात, पाकपट्टन, रावलपिंडी, मंडी बहाउद्दीन, फैसलाबाद, खुशाब, चिनियोट और खानिवाल जिलों से गिरफ्तार किया गया। विभाग ने गिरफ्तार आतंकियों के पास से 1.9 किलोग्राम से अधिक विस्फोटक, 12 डेटोनेटर, तीन संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी), एक हथगोला और प्रतिबंधित साहित्य भी बरामद किया।

हिंदमाता एंकर ट्रंप ने मेडिकेयर के 2.08 करोड़ लोगों को 90 डॉलर की एकमुश्त राशि देने का ऐलान किया है

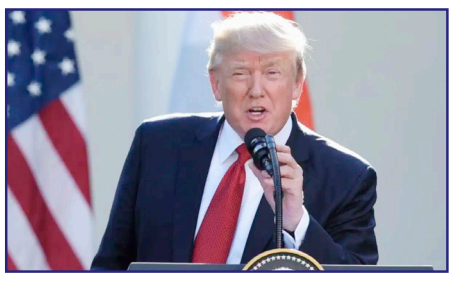
मिडटर्म चुनाव से पहले ट्रंप का ऐलान, बुजुर्गों को मिलेंगे 8 हजार रुपए

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेडिकेयर के 2.08 करोड़ लोगों को 90 डॉलर (8,669 रुपये) की एकमुश्त राशि देने का ऐलान किया है। यह पैसा मेडिकेयर पार्ट बी के अक्टूबर के प्रीमियम में मदद के लिए दिया जाएगा। यह भुगतान मेडिकेयर इम्प्रूवमेंट फंड से किया जा रहा है। अमेरिकी सरकार के मुताबिक, यह पैसा मेडिकेयर पार्ट बी में शामिल करीब 2.08 करोड़ लोगों को मिलेगा। इसके लिए कुछ शर्तें हैं। लाभार्थी का अमेरिका में रहना जरूरी है। उसे ओरिजिनल मेडिकेयर पार्ट बी में होना चाहिए। साथ ही उसे प्रीमियम भरने में मेडिकेड से मदद नहीं मिल रही हो और वह पार्ट बी पर अपनी आय के आधार पर अतिरिक्त शुल्क यानी आईआरएमएए नहीं दे रहा हो। मेडिकेयर एडवांटेज में शामिल लोगों को यह पैसा नहीं मिलेगा। यानी मेडिकेयर में शामिल हर व्यक्ति इस भुगतान का हकदार नहीं है।

पैसा कब मिलेगा?

ज्यादातर पात्र लोगों को 8 अक्टूबर के आसपास 90 डॉलर सीधे बैंक खाते में मिलेंगे। जिन लोगों के पास डायरेक्ट डिपॉजिट की सुविधा नहीं है, उन्हें अक्टूबर में बाद में डाक से चेक भेजा जाएगा। यह राशि खास तौर पर अक्टूबर के पार्ट बी प्रीमियम की भरपाई में मदद के लिए है। 2026 में पार्ट बी का सामान्य मासिक प्रीमियम 202.90 डॉलर है। यानी 90 डॉलर से पूरे प्रीमियम की भरपाई नहीं होगी, बल्कि उसका एक हिस्सा कम होगा।



चुनाव से पहले क्यों चर्चा में है?

ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर इस भुगतान का ऐलान किया। सरकार का कहना है कि इसका मकसद बुजुर्गों के स्वास्थ्य खर्च को कम करने में मदद करना है। लेकिन यह घोषणा नवंबर के मिडटर्म चुनाव से कुछ हफ्ते पहले हुई है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इसे चुनाव से पहले ट्रंप की दूसरी वित्तीय घोषणाओं के साथ जोड़कर रिपोर्ट किया है। ट्रंप का 18 साल से ज्यादा उम्र के अमेरिकियों को 5,000 डॉलर देने का प्रस्ताव इससे अलग है। उसे लागू करने के लिए अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी। इसके अलावा सरकार ने अफोर्डेबल केयर एक्ट के तहत कथित तौर पर ज्यादा भुगतान करने वाले लोगों को 500 डॉलर का अलग रिफंड देना भी शुरू किया है। यह योजना 90 डॉलर के मेडिकेयर भुगतान से जुड़ी नहीं है। यानी 90 डॉलर का भुगतान सिर्फ तय शर्तों वाले मेडिकेयर पार्ट बी लाभार्थियों के लिए है और पात्र लोगों को यह राशि अपने आप मिलने की उम्मीद है।

बिजनेस वर्ल्ड

किआ इंडिया की रिकॉर्ड बिक्री, 41% की धमाकेदार बढ़त के साथ सितंबर में बेचीं 32,017 कारें

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



देश की प्रमुख मास-प्रीमियम कार कंपनियों में शामिल, किआ इंडिया ने आज भारतीय बाजार में अपने प्रवेश के बाद से अब तक की सबसे ज्यादा मासिक बिक्री दर्ज की। सितंबर 2026 में कंपनी की होलसेल बिक्री 32,017 यूनिट रही, जो सितंबर 2025 में बिकी 22,700 यूनिट के मुकाबले सालाना आधार पर 41% ज्यादा है। यह ऐतिहासिक प्रदर्शन किआ इंडिया के सफर में एक अहम पड़ाव है। यह इस बात का सबूत है कि ब्रांड और उसके बदलते प्रोडक्ट पोर्टफोलियो पर ग्राहकों का भरोसा लगातार कायम है। कंपनी ने यही रफ्तार 2026 की तीसरी तिमाही में भी बनाए रखी और 89,259 यूनिट की बिक्री दर्ज की। यह 2025 की तीसरी तिमाही की 64,443 यूनिट के मुकाबले 38.5% ज्यादा है।जनवरी से सितंबर 2026 के दौरान किआ इंडिया की कुल बिक्री 2,53,008 यूनिट पर पहुंच गई, जो पिछले साल की इसी अवधि की 2,06,582 यूनिट के मुकाबले 22.5% की बढ़ोतरी है। यह लगातार अच्छा प्रदर्शन ब्रांड पर ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है, और यह भी बताता है कि कंपनी का बदलता प्रोडक्ट पोर्टफोलियो ग्राहकों की जरूरतों पर खरा उतर रहा है। बिक्री की रफ्तार की अगुवाई सेल्टोस और सोनेट कर रही हैं, जिनकी अपने-अपने सेगमेंट में मजबूत मांग बनी हुई है। जनवरी में लॉन्च के बाद से सेल्टोस की बिक्री लगातार औसतन 10,000 यूनिट प्रति माह से ज्यादा रही है, जबकि सोनेट सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में दमदार प्रदर्शन जारी रखे हुए है। कैरेंस, कैरेंस क्लैविस और क्लैविस ईवी फैमिली मोबिलिटी सेगमेंट में किआ इंडिया की मौजूदगी को और मजबूत करती हैं और ग्राहकों को आईसीई और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन में ज्यादा विकल्प देती हैं। इस बढ़ते पोर्टफोलियो में सिरोस ईवी की मांग में अच्छी तेजी बनी हुई है। इससे पता चलता है कि आसानी से अपनाई जा सकने वाली और फीचर्स से भरपूर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में ग्राहकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। यह मॉडल किआ इंडिया के ईवी पोर्टफोलियो का दायरा बढ़ाता है और रोजमर्रा के इस्तेमाल की अलग-अलग जरूरतें पूरी करता है। वहीं, भारत में डीजल और हाइब्रिड पावरट्रेन विकल्पों के साथ आई नई किआ सोरेंटो को ग्राहकों से उत्साह बढ़ाने वाला रिस्पॉन्स मिला है।

सैमसंग गैलेक्सी टैब एस12 सीरीज 7 अक्टूबर से भारत में उपलब्ध होगी

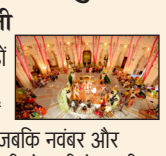
हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



सैमसंग ने आज बताया कि उसकी गैलेक्सी टैब एस12 सीरीज 7 अक्टूबर से भारत में उपलब्ध होगी। ग्रे और सिल्वर रंगों में आने वाले गैलेक्सी टैब एस12 अल्ट्रा और टैब एस12+ सैमसंग का अब तक का सबसे सक्षम और वर्सेटाइल टैबलेट एक्सपीरियंस देते हैं। इनमें अल्ट्रा-थिन डिजाइन के साथ नए स्तर की परफॉर्मेंस, लंबी बैटरी लाइफ और लेटेस्ट गैलेक्सी एआई मिलता है।गैलेक्सी टैब एस12 अल्ट्रा और टैब एस12+ में बड़े डायनैमिक एमोलेड 2एक्स डिस्प्ले हैं, जिनकी पीक ब्राइटनेस 1600 निट्स तक जाती है। इसके अलावा इन टैब्स का विजन बूस्टर फीचर रियल टाइम में ब्राइटनेस एडजस्ट करता है, ताकि हर तरह की रोशनी में विजुअल चटख दिखें और देखने में आराम रहे। 14.6-इंच वाले अल्ट्रा और 12.6-इंच वाले प्लस मॉडल में यूजर्स मल्टी विंडो लेआउट में स्क्रीन को तीन हिस्सों में बांटकर आसानी से मल्टीटास्किंग कर सकते हैं। जैसे, वे एक साथ लेक्चर स्ट्रीम कर सकते हैं, एआई असिस्टेंट इस्तेमाल कर सकते हैं और सैमसंग नोट्स में नोट्स ले सकते हैं। गैलेक्सी टैब एस12 अल्ट्रा की शुरूआती कीमत 1,49,999 रुपये है, जबकि गैलेक्सी टैब एस12+ की शुरूआती कीमत 1,29,999 रुपये है। गैलेक्सी टैब एस12 अल्ट्रा के प्रो कीबोर्ड कवर की कीमत 27,999 रुपये और गैलेक्सी टैब एस12+ के प्रो कीबोर्ड कवर की कीमत 26,499 रुपये है।दोनों मॉडल 12 जीबी रैम और 256 जीबी या 512 जीबी स्टोरेज विकल्प के साथ वाई-फाई और 5जी वेरिएंट में आएंगे।

शादी-ब्याह के सीजन से पहले ही होटल फुल! अगले साल तक के लिए कमरों की एडवांस बुकिंग

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



सर्दियां शुरू होने से पहले ही होटल इंडस्ट्री में शादी समारोहों के लिए मांग तेज हो गई है। लोकप्रिय होटल और रिजॉर्ट में महीनों पहले से बुकिंग हो रही है। कई प्रमुख होटल संपत्तियों ने शादी से जुड़े कारोबार में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की है, जबकि नवंबर और फरवरी जैसे प्रमुख महीनों के लिए होटल में बुकिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यानी इनमें बहुत कम दिन के लिए बुकिंग उपलब्ध है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस तरह की रिपोर्ट सामने आई है।देश के पहले ऑटोग्राफ कलेक्शन होटल के रूप में ब्रांडेड मैरियट इंटरनेशनल के नूर महल दिल्ली एनसीआर, करनाल के कार्यकारी निदेशक रूप प्रताप चौधरी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि होटल के विवाह कारोबार में पिछले साल की तुलना में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि 2027 के लिए भी पर्याप्त संख्या में शादियों की बुकिंग पहले ही हो चुकी है और नवंबर, 2027 तक के लिए पूछताछ मिल रही है।

जियो प्लेटफॉर्म्स लाएगा देश का सबसे बड़ा आईपीओ, 21 अक्टूबर को खुल सकता है

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



डिजिटल सर्विस सेक्टर की दिग्गज कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड का आईपीओ 21 अक्टूबर को खुल सकता है। इस आईपीओ के अक्टूबर के आखिर तक शेयर बाजार में लिस्ट होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी का उद्यम मूल्य करीब 143-146 अरब डॉलर यानी 12 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रह सकता है। जियो प्लेटफॉर्म्स का प्रस्तावित आईपीओ करीब 3.8 अरब डॉलर का होने की संभावना है। इस साइज के साथ ये भारत का अबतक का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है। बैंकिंग और बाजार से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कंपनी ने अमेरिका, ब्रिटेन, दुबई, हांगकांग और सिंगापुर में अपने इंटरनेशनल रोडशो पूरे कर लिए हैं, जिनका नेतृत्व खुद जियो प्लेटफॉर्म्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी और रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा अंबानी ने किया था। जियो प्लेटफॉर्म्स 12 अक्टूबर से शुरू होने वाले सप्ताह में सेबी के पास आईपीओ के लिए फाइनल डॉक्यूमेंट्स फाइल कर सकती है। इस बारे में जियो प्लेटफॉर्म्स (जेपीएल) को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है। सूत्रों का कहना है कि विदेशी निवेशकों से मिले पॉजिटिव सपोर्ट के आधार पर जियो प्लेटफॉर्म्स की शुरूआती वैल्यूएशन 143-146 अरब डॉलर या कम से कम 12 लाख करोड़ रुपये रहने की संभावना है। कंपनी भारत में भी आईपीओ रोडशो आयोजित कर सकती है। इसके अलावा, दशहरा से पहले एंकर इंवेस्टर्स के लिए बोली प्रक्रिया शुरू होने और दशहरा के बाद, लेकिन 23 अक्टूबर से पहले आईपीओ खुलने की संभावना जताई जा रही है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग अक्टूबर के आखिर तक होने की उम्मीद है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 28 अगस्त को जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ पर अंतिम टिप्पणियां जारी की थीं। कंपनी ने जून में आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे।

90,000 करोड़ रुपए की डिफेंस डील पर नजर, भारत में विमान बनाएगा अमेरिका!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



अमेरिकी एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने भारत में अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी ने कहा है कि अगर उसे भारतीय सशस्त्र बलों के लिए 60 मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की डील मिलती है, तो भारत में विमान उत्पादन की क्षमता को और बढ़ाया जाएगा। भारत ने अगस्त में करीब 10.5 अरब डॉलर यानी लगभग 90,000 करोड़ रुपये की इस डील के लिए टेंडर जारी किया था। इस डील में पांच भारतीय कंपनियां शामिल हैं। इनमें टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल), महिंद्रा ग्रुप, अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रिलायंस डिफेंस शामिल हैं। इन कंपनियों को ग्लोबल एयरक्राफ्ट कंपनियों के साथ मिलकर प्रोजेक्ट में हिस्सा लेना है। टीएएसएल ने लॉकहीड मार्टिन के साथ साझेदारी की है, जबकि महिंद्रा ने ब्राजील की एम्ब्रेयर के साथ हाथ मिलाया है। लॉकहीड मार्टिन के प्रस्ताव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि कंपनी 60 में से 48 विमानों का निर्माण भारत में करना चाहती है। बाकी 12 विमान सीधे तैयार हालत में भारत को दिए जाएंगे। कंपनी का कहना है कि अगर उसकी बोली सफल होती है तो भारत में पहले से मौजूद उत्पादन नेटवर्क और क्षमताओं को और विस्तार दिया जाएगा। लॉकहीड मार्टिन और टाटा की पहले से साझेदारी है।

दैनिक ठाणे, सोमवार 5 अक्टूबर, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR



Deepfake और Morphed फोटो पर भड़की यामी गौतम

आर्टिकल 370, हक और धुरंधर द रिवेंज में अपनी एक्टिंग से लोगों को दीवाना बनाने वाली यामी गौतम ने अपनी एआई जनरेटेड इमेज को लेकर बड़ी बात कही है। हाल ही में बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली यामी गौतम ने एआई की मदद से फेक और मॉर्फ्ड कंटेंट बनाए जाने के मामले पर खुलकर अपनी राय रखी है। उन्होंने इसको लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना बयान जारी किया है।

यामी ने एक्स पर की मीडिया से अपील

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपील करते हुए लिखा है कि मीडिया से एक अपील है। प्लीज, पब्लिक में मेरी तस्वीरों को बदलने या बेहतर बनाने के लिए AI का इस्तेमाल न करें। प्लीज इमेज को ओरिजिनल फॉर्म में इस्तेमाल करें। किसी व्यक्ति की इमेज या इमेज को अक का इस्तेमाल करके बदलना या उसमें हेरफेर करना, उनकी जानकारी और मंजूरी के बिना नहीं किया जाना चाहिए। मेरी रिक्वेस्ट मानने के लिए पहले से धन्यवाद!

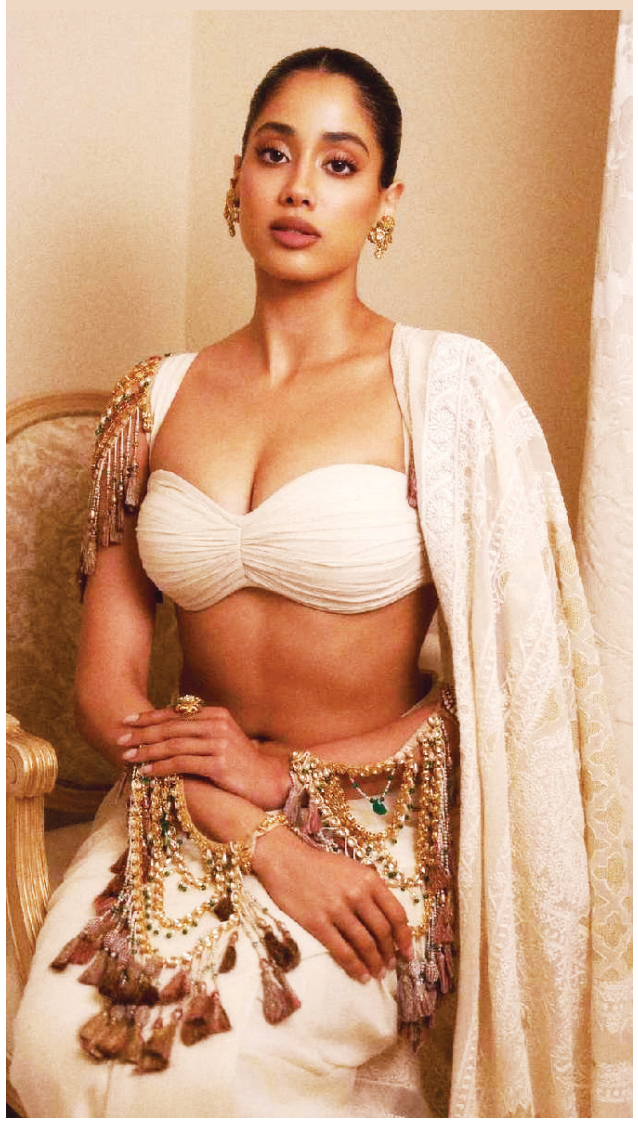
नई नवेली में दिखेगा यामी का अनोखा अंदाज

अगर यामी गौतम के वर्कफ्रंट की बात की जाए, तो यामी अपनी अपकमिंग फिल्म नई नवेली के प्रमोशन में जुटी है। ये फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म में वह मोहिनी के किरदार में नजर आएंगी। यह एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म है, जिसमें परिवार, ह्यूमर, इमोशन, फैंटेसी और एक्शन का मिश्रण देखने को मिलेगा। नई नवेली को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर प्रोड्यूस किया हैं। यह फिल्म दशहरे से पहले 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सेलिब्रिटीज के पर्सनल राइट्स

एआई टेक्नोलॉजी आने के बाद से लगातार सेलेब्रिटीज डीपफेक और मॉर्फ्ड फोटोज का शिकार हो रहे हैं। जिसके चलते जान्हवी कपूर से लेकर सामंथा प्रभु रुथ तक अपने पर्सनैलिटी राइट्स का उपयोग करने के लिए देश के अलग-अलग न्यायालयों में दस्तक दे चुके हैं। आपको बता दें कि यामी गौतम की यह सोशल मीडिया पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब हाल ही में फिल्म देवरा के गाने चुट्टामल्ले से जुड़ा एक मॉर्फ्ड वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा था। हालांकि यामी ने अपनी पोस्ट में किसी भी वीडियो का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने एआई के जरिए किसी की तस्वीर या पहचान में बदलाव किए जाने को लेकर अपनी बात साफ तौर पर रखी।

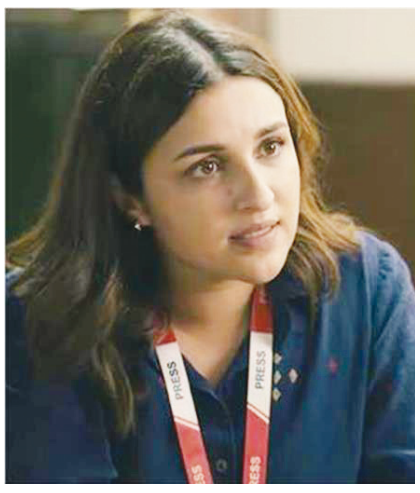
जाह्नवी कपूर का बोल्डनेस का तड़का



इस खास मौके पर जाह्नवी पंकज एस हेरिटेज के कस्टम आउटफिट में नजर आईं, जिसे रिया कपूर ने स्टाइल किया था। ऑफ-व्हाइट रंग के इस खूबसूरत लुक में पारंपरिक छह गज की साड़ी के सिल्हूट को एक मॉडर्न अंदाज में पेश किया गया था। लो-स्लंग ड्रेप, खुले कंधे और जमीन तक जाती एलिगेंट पल्लू ने उनके लुक को बेहद खास बना दिया। 460-काउंट बंगाल मलमल से तैयार इस आउटफिट ने भारतीय टेक्सटाइल की खूबसूरती को सेलिब्रेट किया, वहीं इसका लुक पूरी तरह मॉडर्न और ग्लोबल रखा गया था।

■ सिंपल आइवरी बेस के साथ गोल्ड बीड्स, मोतियों, सीपियों, पन्नों, पोल्की और टैसल्स से तैयार किया गया शानदार हैंडक्राफ्टेड अडॉर्नमेंट उनके लुक का सबसे खास हिस्सा रहा। कंधे से लेकर बांह तक नजर आ रही यह ज्वेलरी डिटेलिंग पूरे लुक को ड्रामेटिक और ग्लैमरस टच दे रही थी। गौरतलब है कि पेरिस फैशन वीक के सबसे प्रभावशाली फैशन आयोजनों में शामिल BoF 500 गाला में जान्हवी का यह लुक विरासत और आधुनिक ग्लोबल ग्लैमर का खूबसूरत संतुलन नजर आया। अपने इस अंदाज के जरिए जाह्नवी कपूर ने भारतीय डिजाइन, टेक्सटाइल आर्ट और बेहतरीन कारीगरी को अंतरराष्ट्रीय फैशन मंच पर खास पहचान दिलाई है।

रिपोर्टर बनीं परिणीति चोपड़ा



परिणीति चोपड़ा और अमोल पालेकर आने वाली इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर 'रिपोर्टिंग लाइव' में नजर आएंगे। यह फिल्म दर्शकों को अवैध रेत खनन, क्राइम और छिपे हुए सच की दुनिया में ले जाती है। ध्रुव त्रिपाठी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर शनिवार सुबह रिलीज किया गया, जिसमें परिणीति के किरदार की झलक दिखाई गई है। दो मिनट दो सेकंड के इस क्लिप में चोपड़ा एक रिपोर्टर और देवेन भोजानी उनके कैमरामैन के तौर पर दिख रहे हैं। दोनों अवैध रेत खनन से जुड़ी एक दुखद घटना की जांच शुरू करते हैं, फि ल्म में इस धंधे को बहुत मुनाफे वाला बताया गया है। जांच के दौरान, उनका सामना ऐसे ताकतवर लोगों से होता है जो नहीं चाहते कि सच सामने आए। जवाब खोजने की कोशिश के तौर पर शुरू हुई यह कहानी जल्द ही उनकी जान जोखिम में डाल देती है।

■ ट्रेलर में कई तनावपूर्ण पल दिखाए गए हैं, जिनमें टकराव, पीछा करने के सीन और हिंसा शामिल है। इसमें अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'रिपोर्टिंग लाइव' ध्रुव त्रिपाठी के फीचर फिल्म निर्देशन की शुरुआत है। उन्होंने मिहिर जाधव के साथ मिलकर इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए परिणीति चोपड़ा ने कहा कि इस फिल्म ने उन्हें एक ऐसा किरदार निभाने का मौका दिया जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आजमाया था। इस साल थ्रिलर जॉनर में नेटफ्लिक्स के साथ यह मेरी दूसरी पारी है, लेकिन एक नए अवतार में। एक रिलीज के अनुसार परिणीति ने कहा कि मैं तुरंत ही इस किरदार के जज्बे से प्रभावित हो गई - एक ऐसी लड़की जो जिज्ञासु और निडर है, और सच का पता लगाए बिना रुकने को तैयार नहीं है।

वर्ल्ड कप से पहले बॉलिंग, फील्डिंग पर करना होगा सुधार : शुभमन गिल



भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने के बावजूद आगामी विश्वकप से पहले टीम को क्षेत्ररक्षण और डेथ ओवरों में सुधार करना होगा। भारत ने वेस्टइंडीज सीरीज में कई कैच ड्रॉप किए। भारतीय टीम इस समय आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष पर है लेकिन बल्लेबाजी को छोड़कर अन्य विभाग में काफी कमजोर नजर आ रही है। वेस्टइंडीज ने लगातार मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ बड़े स्कोर बनाए। हाल ही में आईसीसी ने आगामी वर्ल्ड कप 2027 का शेड्यूल जारी किया है, जहां भारतीय टीम का पहला मुकाबला 7 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा।

हमें सुधार करना होगा

तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज से मिली हार के बाद गिल ने कहा कि मुझे लगता है कि कई बार हमारी रणनीति स्पष्ट नहीं होती कि हमें आक्रमण करना है या बचाव। ऐसा खासकर डेथ ओवर में गेंदबाजी के दौरान हो रहा है। वनडे क्रिकेट में जब विपक्षी टीम के 5 या 6 विकेट गिर चुके हों, तब सही फील्ड लगाना आसान नहीं होता। हम अक्सर उलझ जाते हैं कि क्या हमें डेथ ओवरों की रणनीति जल्दी अपनानी चाहिए या फिर मिडिल ओवरों की तरह ही हमला जारी रखना चाहिए। इन क्षेत्रों में हमें निश्चित रूप से सुधार करना होगा।

भारत ने आजमाए कई विकल्प

भारत इस सीरीज में जसप्रीत बुमराह (एशियाई खेलों में व्यस्तता) और हार्दिक पांड्या (चोट) के बिना उतरा था। 2027 विश्व कप से पहले भारत को बहुत कम वनडे खेलने हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी इस बात का जिक्र किया था। टीम चयन से साफ है कि भारत सिर्फ मैच जीतने के लिए नहीं, बल्कि नए विकल्प तलाशने के इरादे से मैदान में उतर रहा है। मोहम्मद सिराज ने सीरीज के तीन में से सिर्फ एक मैच खेला और उसमें भी उन्होंने डेथ ओवरों में गेंदबाजी नहीं की। न्यू चंडीगढ़ में डेब्यू करने वाले अंशुल कम्बोज, गुरनूर बरार और ऑफ स्पिनर नमन धीर ने भी अंतिम 10 ओवरों में गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभाली। वहीं, गुवाहाटी में डेब्यू करने वाले आकिब नबी ने भी पारी के आखिरी ओवरों में वेस्टइंडीज को रोकने में भूमिका निभाई। हालांकि वह मुकाबला 405 बनाम 406 रन का बेहद हाई-स्कोरिंग मैच था। दोनों टीमों के गेंदबाजों की जमकर पिटाई हुई क्योंकि परिस्थितियां उनके पक्ष में बिल्कुल नहीं थीं। हालांकि, इस दौरान मिला अनुभव अगले साल होने वाले विश्व कप में जरूर काम आएगा। इससे बैक-अप खिलाड़ियों को अंदाजा लग गया है कि उन्हें किस स्तर का प्रदर्शन करना है, जबकि मुख्य खिलाड़ी वापसी की तैयारी में जुटे हैं। शनिवार को भारत ने पहले बल्लेबाजी चुनी और 4 रन पर 2 विकेट गंवा दिए, लेकिन इसके बावजूद 351 रन बनाए।

फील्डिंग और बेहतर हो सकती है

तीन मैचों में टीम के प्रदर्शन का आकलन करते हुए गिल ने कहा कि मैं काफी हद तक संतुष्ट हूं, लेकिन अभी भी कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। मुझे लगता है कि हमारी फील्डिंग और बेहतर हो सकती है। पूरी सीरीज में हमने छह या सात कैच छोड़े, जो विश्व कप से पहले अच्छा संकेत नहीं है। आप चाहते हैं कि आपकी फिल्डिंग बेहतरीन स्तर की हो।ह्व गिल ने कहा कि वह बोर्ड पर मौजूद स्कोर से 'खुश' थे, लेकिन माना कि वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की। 46वें ओवर के बाद भारत को धीमी ओवर गति के लिए दंडित किया गया था। इसके कारण आखिरी कुछ गेंदों में उन्हें बाउंड्री पर सामान्य पांच की जगह केवल चार फील्डर रखने पड़े। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि मैच हमारे नियंत्रण में था। हम चार ओवर पीछे चल रहे थे और आखिर में उन्होंने मैच हमसे छीन लिया। अगर हम ओवरों में पीछे नहीं होते, तो शायद मैच आखिरी ओवर तक जाता। जब भी आप जल्दी आउट होते हैं तो निराशा होती है, लेकिन आज मुझे नहीं लगता कि उस गेंद पर मैं कुछ अलग कर सकता था।

फिर चोटिल हुए हार्दिक पांड्या



हार्दिक पांड्या लंबे समय से चोटिल हैं और इसी कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं, लेकिन सेलेक्टर्स ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज के लिए चुनी गई इंडिया-ए की टीम में जगह दी थी। हालांकि, पांड्या को इस टीम से बाहर कर दिया गया है और इसका कारण चोट है। पांड्या को टीम में जगह फिटनेस को देखते हुए दी गई थी। बीसीसीआई ने टीम का एलान करते हुए जो बयान जारी किया था उसमें बताया था कि पांड्या का खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर है। अब स्पोर्ट्स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक पांड्या को एक नई चोट लग गई है जिसके कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे।

क्यों मां की अलमारी से घड़ियां चुराती थीं मृणाल ठाकुर?



मृणाल ठाकुर अभिनय के साथ-साथ अक्सर अपने क्लासिक फैशन सेंस को लेकर भी काफी चर्चा में बनी रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्हें क्लासिक घड़ियों से बहुत प्यार है और यह प्यार उनको उनकी मां से मिला, जिन्हें वह क्लासिक लेडी कहती हैं।

क्यों मां की अलमारी से घड़ियां चुराती थीं मृणाल?

मृणाल ने बताया कि कई बार खास मौकों के लिए वह अपनी मां की अलमारी से उनकी घड़ियां चुरा लिया करती थीं। एएनआई से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि मेरी मां ने मुझे बिगाड़ दिया, क्योंकि वह हमेशा से एक क्लासिक महिला रही हैं। कई बार अपने सबसे खास मौकों के लिए मैं उनकी घड़ी चुरा लेती थी। दरअसल, अभिनेत्री वसंत कुंज के डीएलएफ प्रोमेनेड में टिसॉट बुटीक के लॉन्च पर पहुंची थीं। वहां एक्ट्रेस ने कहा कि अब वह रेड-कार्पेट अपीयरेंस और फॉर्मल मीटिंग से लेकर डिनर तक अलग-अलग मौकों पर अपने कलेक्शन की घड़ियों को शामिल करने की योजना बना रही हैं। मृणाल के लिए घड़ी सिर्फ समय देखने की चीज नहीं है। वह इसे एक जरूरी एक्सेसरी मानती हैं, जो उनके व्यक्तित्व और पहचान को दिखाने में मदद करती है और उनके सादे स्टाइल को पूरा करती है। अभिनेत्री ने कहा, 'बिना घड़ी के आपका आउटफिट पूरा नहीं होता। यह उसमें एक छोटी-सी खासियत जोड़ देती है। यह बहुत सिम्पल, स्टाइलिश और साथ ही बहुत क्लासी भी है।

रोहित के वनडे शतकों की संख्या उनकी उम्र से ज्यादा हो : सुनील गावस्कर



वेस्टइंडीज ने तीसरे और आखिरी वनडे में कप्तान शाई होप की नाबाद 162 रनों की पारी की बदौलत 352 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया लेकिन टीम इंडिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीत ली। जियो स्टार के एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने रोहित शर्मा की 92 रनों की पारी पर अपने विचार रखे, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने अपनी नाबाद शतकीय पारी और पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी के लिए टीम की रणनीति पर बात की।

रोहित के वनडे शतकों की संख्या उनकी उम्र से ज्यादा हो

जियो स्टार के 'हायर क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर ने बताया कि वे रोहित शर्मा के शतक से आठ रन दूर आउट होने से क्यों निराश थे। रोहित के 92 रन पर आउट होने से मुझे निराशा इसलिए हुई क्योंकि वे शतक नहीं बना पाए और हो सकता है कि पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 के बाद वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लें। और उस समय, जब वे संन्यास लेने का फैसला करें, तो मैं व्यक्तिगत रूप से चाहूंगा कि रोहित के वनडे शतकों की संख्या उनकी उम्र से ज्यादा हो। उन्होंने आगे कहा कि अगर वे तीसरे वनडे में शतक बना लेते, तो वे अपने 36वें शतक के साथ उस उपलब्धि को हासिल करने के और करीब पहुंच जाते। मेरे लिए, यह एक खास बात है जब किसी खिलाड़ी के रिटायरमेंट के समय शतकों की संख्या उसकी उम्र से ज्यादा हो। यह उनके करियर और इतने सालों तक बनाए रखे गए स्टैंडर्ड को दर्शाता है। इसीलिए मैं सच में चाहता हूं कि रोहित उस मुकाम तक पहुंचें। अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के आखिरी साल में, मैं अपनी उम्र के बराबर टेस्ट शतक बनाना चाहता था, और मैं तीन बार 90 के स्कोर पर आउट हुआ था। अगर मैं वे शतक बना पाता, तो मेरे शतकों की संख्या मेरी रिटायरमेंट की उम्र, यानी 38, के बराबर हो जाती।

शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं

क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के बाद से रोहित शर्मा के बैटिंग स्टाइल में आए बदलाव पर गावस्कर ने कहा कि रोहित के बैटिंग स्टाइल में थोड़ा बदलाव आया है। 2023 वनडे वर्ल्ड कप में कप्तान के तौर पर उन्होंने जो तरीका अपनाया था, उसमें वे पहली ही गेंद से आक्रामक खेल रहे थे, भले ही जल्दी आउट होने का खतरा हो। अब उन्हें एहसास है कि उनका विकेट कितना कीमती है। उस 2023 वर्ल्ड कप में उन्होंने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई थी, लेकिन वे ऐसे बल्लेबाज नहीं हैं जो सिर्फ 30-40 रन बनाएं। वे शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं! इसलिए, उन्हें बड़े रन बनाते हुए देखकर मुझे खुशी होती है। उन्होंने आगे कहा कि हां, मुझे पता है कि इस मैच में वे शतक लगाने से चूक गए, लेकिन पिछले मैच में उन्होंने शतक लगाया था। यह अच्छी बात है कि वे समझ रहे हैं कि एक बल्लेबाज के तौर पर उनका काम शतक लगाना भी है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** **RNI. NO. MAHHIN/2011/43060** **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप